E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -87 | प्रयागराज, बुधवार 11 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मोदी सरकार के 11 साल, सीएम योगी बोले- 'नया भारत शांति की रट नहीं लगाता...ऑपरेशन सिंदूर से मुंहतोड़ जवाब देता है'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल भारत वर्ष के स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाएगा। इस कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत को वैश्विक पहचान दी है। कांग्रेस समेत अन्य अस्थिर सरकारों से जो आम जन का विश्वास टूटा था। वैश्विक मंच पर जो भारत की छवि तार तार हुई थी उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद से मुक्त नेतृत्व ने भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना प्रस्तुत की है। इन 11 वर्षों ने सामाजिक और संस्कृतिक पक्ष के साथ ही सेवा, सुशासन के साथ आर्थिक मोर्चे पर देश को एक नई पहचान दी है।शासन की नीति स्पष्टता, कार्य प्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन की नई पहचान बनी है। विकास केवल नारे नहीं हैं। इन वर्षों ने विरासत और विकास का समन्वय करते हुए हुए देश को दुनिया में नई पहचान दिलाई। अब चेहरा देख कर नहीं बल्कि जरूरत देख कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। मुख्यमंत्री योगी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले 11 साल में राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस को हमने देखा है। यह 11 साल का समय उस वक्त पूरा हो रहा है जब भारत की सामरिक शक्ति को पूरे विश्व ने देखा है। पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड भारत की सैन्य शक्ति मानी गई है। कोई हम पर युद्ध थोपेगा तो उसका जवाब सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर से दिया जाएगा। अब भारत दुनिया में शांति की रट लगाने वाला देश नहीं

है बल्कि युद्ध थोपने पर कड़ा जवाब देने वाला देश है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इन 11 वर्षों में भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में प्रदर्शित किया गया है। विकसित भारत के लिए पंच प्रण और 11 संकल्प बताए गए हैं। 11 साल में भारत ने विकसित भारत की आधारशिला पंच प्रण के आधार पर रखी है। समावेशी विकास शुरू किए गए हैं। ढांचागत विकास का मॉडल बनाया है। तकनीक के उपयोग के माध्यम से भ्रष्टाचार पर काबू पाया गया।पिछले 11 साल में जितना कुछ तकनीक के माध्यम से किया गया पिछले 65 साल में नहीं हो सका था। वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति जातिवाद को भी बढ़ावा देती है। ऐसी पुनरावृत्ति फिर ना हो जिसकी वजह से पहले देश को गुलाम होना पड़ा था। मोदी सरकार के कार्यकाल में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हर हाल में आरक्षण की सुरक्षा की गई है। सामाजिक न्याय को सुरक्षित किया गया है। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने नए भारत का दर्शन किया। पिछले 11 वर्ष में भारत ने 11वीं से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया। हमने उस ब्रिटेन को पछाड़ा जो हम पर 200 साल तक राज कर चुका है। भारत ने अपनी प्रति व्यक्ति आय को 11 साल में दोगुना किया है। भारत का निर्यात कई गुना बढ़ा है। भारत की विकास दर जिस तरह बढ़ रही है उससे 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की सांस्कृतिक और धार्मिक नगरों को पहचान दी गई। अयोध्या में 500 साल के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ तो देश भर के प्रमुख तीर्थस्थानों का नया स्वरूप हमारे सामने आया है। अयोध्या को विश्वभर में धार्मिक नगरी के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। इसके साथ ही सरकार पटेल की भव्य प्रतिमा की स्थापना और नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें सम्मान देना। मोदी सरकार ने देश की विरासत को विकास के साथ जोड़ा है। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को गति प्रदान करतीं प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जन धन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी अनेक लोक-कल्याणकारी पहलें आमजन के जीवन को सुगम, वंचित को सशक्त और व्यवस्था को परिणाम दायक बनाने के प्रति प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।विरासत से विकास तक, मेट्रो की रफ्तार से सस्ती-सुगम हवाई यात्रा तक, वंदे भारत ट्रेनों से नए राजमार्गों तक, इंफ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री तक, कृषि से कॉमर्स तक, राष्ट्रीय सुरक्षा से सामाजिक सुरक्षा तक, सामाजिक समृद्धि से सामाजिक न्याय तक, भारत विविध क्षेत्रों में विकास की एक नई गाथा लिख रहा है। आस्था, अस्मिता, आजीविका और अर्थव्यवस्था के उत्कर्ष को सुनिश्चित करते सेवा के 11 साल भारत को महाशक्ति बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।इसके पहले, सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि सभी जिला केंद्रों पर भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 10-11 जून को सशक्त भारत-सुरक्षित भारत विषय पर प्रोफेशनल मीट और बदलता भारत-मेरा अनुभव विषय पर डिजिटल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया 12 से 14 जून तक मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा और 21 जून को मंडल स्तर पर योग शिविर आयोजित होंगे।शक्ति केंद्र पर चौपाल लगाकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड के लिए पंजीकरण भी किया जाएगा। कार्यक्रमों में केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, पदाधिकारी, मंत्री, जनप्रतिनिधि, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला से लेकर बूथ तक के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

एनसीपीः शरद पवार बोले- कभी नहीं सोचा था पार्टी में दरार आएगी जयंत पाटिल ने प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने के संकेत दिए

नयी दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के स्थापना दिवस समारोह में शरद पवार का दर्द सभी के सामने आ गया। उन्होंने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि एनसीपी में दरार आ जाएगी। इस बीच एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पद छोड़ने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने नए चेहरों को कमान सौंपने की इच्छा जताई है।शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले बनी उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा। उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की। एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, '...पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप निराश हुए बिना पार्टी को आगे

बढ़ाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ।' शरद पवार ने कहा, 'कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन बढ़ गया। मैं आज इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वे हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण थे।' उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी।जयंत पाटिल ने मंगलवार को पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में पद छोड़ने के संकेत दिए। इस पर कार्यकर्ता भावुक हो गए और उनसे पद पर बने रहने का आग्रह किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर पुणे के बालगंधर्व सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में पाटिल ने कहा कि पार्टी के लिए नए चेहरों को मौका देना महत्वपूर्ण है।पाटिल ने कहा, 'पवार साहब ने मुझे बहुत सारे अवसर दिए। मुझे सात साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन अब पार्टी के लिए नए चेहरों को मौका देना महत्वपूर्ण है। यह पार्टी पवार साहब की है और इसलिए उन्हें उचित निर्णय लेना चाहिए। हम सभी को आगे एक लंबा सफर तय करना है। मैं पवार साहब और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं।शरद पवार की ओर बनाई गई एनसीपी जुलाई 2023 में दो टुकड़ों में बंट गई थी और उनके भतीजे अजित पवार तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गए थे। पार्टी का नाम और उसका घड़ी का चिह्न भी अजित पवार गुट को दे दिया गया था। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया था।

सोनम और राजा रघुवंशी का रामनवमी वाला कनेक्शन! खास रस्म से हुआ था दोनों का मिलन, क्या थी होली वाली वो बात?

नयी दिल्ली। कहते हैं कि जोड़ियां आसमान में तय होती हैं। कौन किसके लिए बना है, ये पहले से तय रहता है और बाद में परिस्थितियां अपने आप दोनों को एक-दूसरे के करीब ले आती हैं। इंदौर में ट्रांसपोर्ट का बिजनेस करने वाले राजा रघुवंशी और सोनम के मिलन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। दोनों का रिश्ता रामनवमी की एक खास रस्म से तय हुआ था। बैंड-बाजे और बारात के साथ राजा अपनी सोनम को दुल्हन बनाकर घर लाया। परिवार ने भी नई बहू को सिर-आंखों पर बिठाया, लेकिन सोनम ने एक झटके में इन सारी खुशियों को उनसे छीन लिया। राजा और सोनम का मिलन आम शादियों की तरह नहीं हुआ था। दरअसल, इंदौर में रघुवंशी समाज से जुड़े लोग भगवान राम को बहुत मानते हैं और रामनवमी पर बड़ा कार्यक्रम करते हैं। जगह-जगह भंडारे किए जाते हैं। एक परिचय सम्मेलन भी होता है। इसी दिन 'रघुवंशी रिश्ता' नाम से एक पत्रिका निकलती है, जिसमें समाज से जुड़े, शादी के योग्य युवक और युवतियों का परिचय छपा होता है। पत्रिका में अपने लिए सही रिश्ता देखकर, शादी की बाकी बातचीत आगे बढ़ती है।राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी के परिवार के लोगों ने भी साल 2024 में इस पत्रिका में छपने के लिए अपने बेटे और बेटी का बायोडाटा दिया था। एक तरह से ये सोनम और राजा के मिलन की शुरुआत थी। रामनवमी के मौके पर 'रघुवंशी रिश्ता' पत्रिका निकली और दोनों परिवारों ने परिचय पढ़ने के बाद, राजा और सोनम को एक दूसर के लिए पसंद कर लिया। अक्टूबर में फाइनल बातचीत के बाद, सोनम और राजा की शादी के लिए मई में शुभ मूहूर्त निकाला गया।इससे पहले होली आई और राजा का मां अपनी होने वाली नई बहू के लिए कपड़े

और मिठाई लेकर, उसके घर गई। उस वक्त तक भी किसी को अंदाजा नहीं था कि सोनम के मन में क्या चल रहा है। 11 मई को धूमधाम के साथ सोनम और राजा रघुवंशी की शादी कर दी गई। सोनम की बहन प्रियांशी ने भी बताया कि ये दोनों की मर्जी और परिवार की सहमति से हुई अरेंज मैरिज थी। 20 मई को सोनम और राजा हनीमून के लिए गए और 24 मई को लापता हो गए। बाद में राजा की लाश मिली और उसके बाद सोनम को उसकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।अभी तक की जानकारी के मुताबिक, सोनम का अफेयर उसके पिता की प्लाईवुड कंपनी में काम करने वाले राज कुशवाहा नाम के शख्स के साथ चल रहा था। सोनम इस कंपनी में एचआर के तौर पर थी और यहीं उसकी मुलाकात राज से हुई। बाद में दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। सोनम ने राजा के साथ शादी तो कर ली, लेकिन उसके दिल में अभी भी राज ही था। इसीलिए, उसने शादी के ठीक 5 दिन बाद अपना ही सुहाग उजाड़ने का प्लान तैयार कर लिया।उसके प्लान में राज कुशवाहा भी शामिल था। प्लान कुछ इस तरह था कि सोनम हनीमून के बहाने राजा को किसी सुनसान जंगल या पहाड़ी पर लेकर जाएगी और वहीं उसे मार दिया जाएगा। इस हत्या को लूट की तरह दिखाकर सोनम वापस लौटेगी और बताएगी कि लुटेरों के हमले में राजा मारा गया। कुछ दिन बाद राज कुशवाहा हीरो की तरह एंट्री करेगा और विधवा सोनम से शादी करने का प्रपोजल उसके पिता के सामने रखेगा। अपनी विधवा बेटी का घर बसाने के लिए सोनम के पिता मान जाएंगे और दोनों अपनी नई जिंदगी शुरू करेंगे।इस प्लान को अंजाम देने के लिए तीन लोगों को हायर किया गया। सोनम ने बिना राजा को बताए मेघालय के टिकट बुक किए और हनीमून पर चलने की जिद की। राजा का मन अभी हनीमून पर जाने का नहीं था, लेकिन सोनम की जिद के आगे वो झुक गया। इधर सोनम अपने पति राजा के साथ हनीमून के लिए निकली और उधर तीनों हत्यारे भी उसकी साजिश को अंजाम देने के लिए निकल पड़े। राज इंदौर में ही रुका रहा, ताकि उसके ऊपर किसी का शक ना जाए।शिलॉन्ग पहुंचने पर सोनम फोटो खींचने के बहाने राजा को पहाड़ी इलाके में लेकर गई और अपनी लोकेशन हत्यारों के पास भेज दी। पहाड़ी पर पहुंचने के बाद तीनों हत्यारों ने पहले राजा से बातचीत की और इसके बाद पीछे से हमला कर दिया। राजा ने उनसे मुकाबला करने की कोशिश भी की, लेकिन वह घायल हो चुके थे। जिस वक्त राजा को मारा गया, सोनम उसी जगह पर मौजूद थी। बेहोश होने के बाद सोनम ने अपने पति को खाई में फेंकने में हत्यारों की मदद भी की।इसके बाद सोनम पहले गुवाहाटी गई और फिर यूपी पहुंची। इस बीच केस की जांच कर रही मेघालय पुलिस को वह गाइड मिला, जिसने बताया कि राजा और सोनम के साथ उस दिन तीन लोग और थे। पुलिस ने सुराग और कड़ियों को जोड़ते हुए तीनों हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सोमवार तड़के सोनम गाजीपुर पहुंची और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने सोनम को अब राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पाकिस्तान के दोस्त को दो टूक संदेश, जी7 से पहले साइप्रस जाएंगे पीएम मोदी, अपने गुनाहों की सजा भुगतेगा तुर्की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस भी जाएंगे। ऐसा करने वाले वह देश के तीसरे प्रधानमंत्री होंगे। साइप्रस के बाद पीएम मोदी जी7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा जाएंगे। फिर स्वदेश लौटते समय क्रोएशिया भी जाएंगे। भारत यूरोप में अपनी भूमिका बढ़ाना चाहता है और उनकी इन यात्रा कार्यक्रमों से भी यही बात निकल कर आ रही है। साइप्रस और क्रोएशिया दोनों ही यूरोपियन यूनियन के सदस्य हैं। साइप्रस अगले साल के पहले छह महीनों के लिए यूरोपियन यूनियन काउंसिल की अध्यक्षता भी करेगा। पहले पीएम मोदी को पिछले महीने क्रोएशिया जाना था। इसके साथ वे नीदरलैंड और नॉर्वे भी जाने वाले थे। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण यह दौरा रद्द हो गया था।जी7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा में 15 से 17 जून को होगा। प्रधानमंत्री इसके आखिरी दिन एक विशेष सत्र में भाग लेंगे। कनाडा से अचानक निमंत्रण मिलने के कारण पीएम का पूरा कार्यक्रम अभी तय नहीं है। लेकिन, सरकारी सूत्रों का कहना है कि द्विपक्षीय बैठकें करने की कोशिश की जा रही हैं। लेकिन, इससे पहले उनकी साइप्रस की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण है। 2002 में अटल बिहार वाजपेयी और 1983 में इंदिरा गांधी के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली साइप्रस यात्रा होगी। पहलगाम आतंकी हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक में तुर्की ने जिस तरह से पाकिस्तान के आतंकवाद का साथ दिया है,उससे भारत के साथ उसका तनाव चल रहा है। यहां तक कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने भी पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाई है। ऐसे में पीएम मोदी की यह साइप्रस यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है।दरअसल, तुर्की ने उत्तरी साइप्रस को कथित 'तुर्की गणराज्य उत्तरी साइप्रस' के रूप में मान्यता दे रखी है। इस क्षेत्र पर 1974 में तुर्की की सेना ने जबरन कब्जा कर लिया था। पूर्वी भूमध्य सागर में गैस खोजने के अधिकारों को लेकर भी तुर्की और साइप्रस के बीच विवाद है। भारत हमेशा से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय कानून के माध्यम से साइप्रस समस्या का समाधान चाहता है। वहीं, तुर्की पाकिस्तान के साथ खड़ा है। इसलिए भारत, साइप्रस और ग्रीस के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है। भारत रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहा है।

प्रयागराज में फंदे से लटकी मिली युवती,परिवार वाले बोले- किश्त पर कार लेने से परेशान थी, सुसाइड नोट नहीं मिला

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र

के कटरा इलाके में एक युवती फंदे से लटकी मिली। 30 साल की श्रेया उर्फ रोशनी की का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। कर्नलगंज पुलिस ने जांच के बाद कमरे की तलाशी ली। सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतका की नानी ने पुलिस को बताया कि घरेलू कलह व लोन पर ली गई कार की किश्त न जमा कर पाने को लेकर परेशान थी।श्रेया उर्फ रोशनी बचपन से ही कटरा में रहने वाली अपनी नानी चंद्रकला रानी चौरसिया के घर पर रहती थी। 2017 में उसने सिविल लाइंस के रहने वाले प्रियांशु तिवारी नामक युवक से प्रेम विवाह किया था। शुरूआत में तो सब कुछ ठीक था, लेकिन तीन वर्ष बाद ही दोनों के बीच अनबन शुरू हो गई। वर्ष 2022 में श्रेया अपनी पुत्री अंबिका को लेकर नानी के घर चली आई।प्रियांशु से तलाक लेने के लिए न्यायालय में वाद दाखिल किया। बेटी का नाम नैनी स्थित एक स्कूल में लिखाया और विद्यालय के ही हास्टल में उसे रखा। खुद एक निजी बैंक में काम करने लगी। इधर कुछ माह पहले उसने लोन पर कार खरीदी। रविवार देर शाम वह कहीं से आई और सीधे अपने कमरे में चली गई। सोमवार सुबह काफी देर तक वह कमरे से नहीं निकली तो नानी ने उसे आवाज दी, लेकिन कोई आहट नहीं मिली। वह उसके कमरे में पहुंची तो सामने श्रेया का शव फंदे से लटक रहा था। कर्नलगंज पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।चंद्रकला रानी चौरसिया ने बताया कि श्रेया घरेलू विवाद को लेकर तो परेशान थी ही, वह लोन पर ली गई कार की किश्त भी नहीं जमा कर पा रही थी। कर्नलगंज इंस्पेक्टर पीके सिंह का कहना है कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतका का मोबाइल कब्जे में ले लिया गया है।

सारनाथ एक्सप्रेस में बच्चे का जन्म, बजी तालियां,प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर सात पर महिला को ट्रेन के अंदर ही कराया गया प्रसव

प्रयागराज। ट्रेन नंबर 15159 सारनाथ एक्सप्रेस के एस-टू कोच में एक बच्चे का जन्म हुआ। गर्भवती महिला ने बेटे को जन्म दिया। ट्रेन में यात्रा के दौरान अचानक प्रसव पीड़ा होने पर महिला रोने लगी तो साथ रहे पति ने रेलवे से मदद मांगी। ट्रेन में आरपीएफ की महिला कांस्टेबलों ने सुरक्षित प्रसव कराया और बच्चे के रोने की आवाज गूंजी तो यात्रियों ने तालियां बजाकर पूर टीम का अभिनंदन किया।वाराणसी जंक्शन से

अनूपपुर जंक्शन जा रहे मोहम्मद सरफराज ने बताया कि उनके साथ पत्नी गुलनाज व एक बच्चा भी यात्रा कर रहा था। जंघई के आगे ट्रेन पहुंची थी, तब गुलनाज को तेज प्रसव पीड़ा हुई। उन्होंने रनिंगकर्मियों से मदद मांगी गई। ट्रेन जब प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर सात पर पहुंची तो आरपीएफ के उप निरीक्षक गौरव, महिला कांस्टेबल मोनिका और आपरेशन मेरी सहेली की कांस्टेबल सपना राय ने सीट नंबर 78 पर पहुंचकर वाणिज्य और चिकित्सीय स्टाफ के साथ मिलकर चादरों से एक निजी घेरा बनाया।मोनिका और सपना ने अपनी सूझबूझ और संवेदनशीलता से कोच के भीतर ही प्रसव कराया, और गुलनाज ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। इस पल ने ट्रेन में मौजूद यात्रियों के दिलों को छू लिया। उन्होंने सभी के सम्मान के लिए तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया।

अधिवक्ताओं के 3200 वाहनों की पार्किंग क्षमता समेत मल्टीलेवल पार्किंग और नए चैंबर्स सुविधा शुरू,680 करोड़ की लागत से बना मल्टीलेवल कॉम्प्लेक्स

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं और

कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत और आधुनिक सुविधा की सौगात के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में 680 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'मल्टी लेवल पार्किंग एवं अधिवक्ता कक्ष भवन' का मंगलवार से संचालन शुरू हो गया है। यह भवन 31 मई 2025 को भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण और केंद्रीय राज्य मंत्री (कानून एवं न्याय) की गरिमामयी उपस्थिति में उद्घाटित किया गया था।इस परियोजना में लगभग 2200 दोपहिया और 1000 चारपहिया वाहनों के पार्किंग की सुविधा विकसित की गई है, जो कि हाईकोर्ट परिसर के अब तक के इतिहास में सबसे बड़ा पार्किंग इनफ्रास्ट्रक्चर है। इसके अतिरिक्त, करीब 2500 से अधिक अधिवक्ता कक्ष (चैंबर्स) बनाए गए हैं, जिनका आवंटन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।यह पूरी संरचना बहुस्तरीय है, जिसमें ग्राउंड फ्लोर पर दोपहिया वाहनों और प्रथम तल पर चारपहिया वाहनों के लिए परीक्षणात्मक (ट्रायल) पार्किंग की शुरुआत की गई है। यह सुविधा केवल उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं, उनके क्लर्कों और कर्मचारियों के लिए है, और परिसर में प्रवेश केवल वैध पहचान पत्र दिखाने पर ही मिलेगा। पार्किंग का समय प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है।इस भवन का निर्माण इस उद्देश्य से किया गया है कि हाईकोर्ट परिसर के आसपास की अव्यवस्थित और अनधिकृत पार्किंग से मुक्ति दिलाई जा सके। हाल ही में नगर निगम द्वारा किए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सड़क किनारे से अधिवक्ताओं की कुर्सी-मेज हटाए जाने के बाद यह मांग और भी मुखर हो गई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए कोर्ट प्रशासन ने नई सुविधा को शीघ्रता से अधिवक्ताओं के उपयोग हेतु खोल दिया।स्वच्छता बनाए रखने को लेकर भी सख्त नियम लागू किए गए हैं। परिसर में पान, गुटखा व किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन और थूकना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उल्लंघन की स्थिति में रु2000 का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही परिसर में कोई भी निजी सामान लाकर रखना पूर्णतः निषिद्ध है–ऐसा कुछ पाए जाने पर उसे बिना सूचना हटाया जाएगा।

गंगा घाटों की सुरक्षा को न्यूजीलैंड से आई बोटःरेस्क्यू ऑपरेशन और मछली मारने वालों पर होगा एक्शन

कानपूर। घाटों पर सुरक्षा के लिए अब न्यूजीलैंड से एक बोट कानपुर पहुंच गई है। इसे गंगा बैराज के अटल घाट पर जल पुलिस के साथ तैनाती की गई है। जबकि जल्द ही 10 बोट और आने वाली हैं। इसका प्रपोजल बनाकर पुलिस मुख्यालय भेजा गया है।एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कानपुर में गंगा का काफी लंबा हिस्सा है। गंगा किनारे बसे शहर में आए दिन गंगा में नहाने के दौरान हादसे होते हैं। राहत कार्य के लिए पीएसी की मदद लेनी पड़ती है।इस वजह से राहत कार्य में घंटों देरी होती है। इसके साथ ही आधुनिक बोट नहीं होने की वजह से पुलिस अवैध रूप से गंगा में मछली मारने वालों पर भी एक्शन नहीं ले पाती है। गंगा में गश्त करना मुश्किल होता है। इसी तरह से बाढ़ आती है तो राहत कार्य में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।बिल्हौर से लेकर जाजमऊ तक इन बोटों को गंगा के घाट किनारे तैनात किया जाएगा। गंगा में डूबने वालों को बचाने, रेस्क्यू ऑपरेश, बाढ़ के दौरान राहत कार्य

और मछली मारने वालों पर एक्शन को लेकर इन बोट को मंगाया गया है।एडिशनल पुलिस कमिश्नर मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कानपुर में गंगा का काफी लंबा हिस्सा है। गंगा किनारे बसे शहर में आए दिन गंगा में नहाने के दौरान हादसे होते हैं। राहत कार्य के लिए पीएसी की मदद लेनी पड़ती है। इस वजह से राहत कार्य में घंटों देरी होती है। इसके साथ ही आधुनिक बोट नहीं होने की वजह से पुलिस अवैध रूप से गंगा में मछली मारने वालों पर भी एक्शन नहीं ले पाती है। गंगा में गश्त करना मुश्किल होता है। इसी तरह से बाढ़ आती है तो राहत कार्य में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से कानपुर को एक बोट दी गई है। यह बोट न्यूजीलैंड से मंगाई गई है। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए है। महाकुंभ के दौरान यह नाव आई थी, अब महाकुंभ खत्म होने के बाद इसे कानपुर भेजा गया है। कानपुर पुलिस ने इसी तरह से 10 और आधुनिक रबराइज्ड बोट के लिए एक प्रपोजल बनाकर पुलिस मुख्यालय को भेजा है। बिल्हौर से लेकर जाजमऊ तक गंगा घाटों पर आए दिन हादसे होते हैं। इन हादसों को रोकने के लिए इन्हीं बोट से गंगा में पुलिस कर्मी गश्त करेंगे। अगर कोई हादसा होता भी है तो राहत कार्य में आसानी होगी। इसके साथ ही अवैध रूप से मछली मारने वालों के खिलाफ भी पुलिस कड़ा एक्शन लेगी।एडिशनल सीपी मुख्यालय विनोद सिंह ने बताया कि कानपुर के बिल्हौर से लेकर शिवराजपुर और गंगा घाट जाजमऊ तक इन आधुनिक बोट पर जल पुलिस के जवानों को तैनात किया जाएगा। इससे कि हादसों को रोका जा सके। कानपुर गंगा के किनारे बसा हुआ है। लंबे समय से इन बोट की मांग की जा रही है, लेकिन अब जल्द ही कानपुर में इस तरह की 10 आधुनिक बोट आएंगी।

10 पुजारी 5 बार कर रहे रामदरबार की आरतीःप्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर में पूजन-आरती और भोग, अभी दर्शन की व्यवस्था होनी है

अयोध्या। 5 जून को राम

दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर में पूजन आरती और भोग आरंभ हो गया है जबकि अभी दर्शन की व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है। सुबह 4:00 से लेकर रात्रि 10:00 बजे तक प्रतिदिन राम दरबार की सेवा हो रही है। प्रातः 4:00 बजे मंगला आरती, 6:00 बजे श्रृंगार आरती, 12:00 बजे दोपहर भोग और आरती, शाम को 7:00 बजे संध्या आरती व रात 10:00 बजे शयन आरती व भोग हो रहा है।राम दरबार की सेवा में तैनात 20 पुजारी में ही दो शिफ्ट में 5-5 पुजारी राम दरबार में सेवा पूजा कर रहे हैं।राम दरबार में भगवान को प्रतिदिन रोटी, सब्जी, पापड़,खीर, चावल, आम के जूस और दही का भोग लगाया जा रहा है। पोहा, रबड़ी और पराठा आदि का अल्पाहार कराया जा रहा है।राम दरबार में भगवान की सेवा के लिए प्रतिदिन रामलला की ही तरह दिल्ली से देसी विदेशी फुल पहुंच रहे हैं और दिल्ली से ही प्रतिदिन नूतन वस्त्र आ रहे हैं।भगवान राम सीता जानकी लक्ष्मण और हनुमान जी और भारत जी को प्रतिदिन चयन से पूर्ण गिरी गाय के दूध का भोग लगाया जा रहा है।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को यह निर्णय करना है कि राम दरबार का दर्शन कब हो सके। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के अनुसार राम दरबार 40 सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद राम दरबार का दर्शन होता है जो 20 फीट ऊंचा है। ऊपर जाने के लिए अभी रेलिंग नहीं लग पाई है। रेलिंग सहित कुछ अन्य सुविधाओं को जताने के बाद इस माह कभी भी दर्शन शुरू किया जा सकता है।चंपत राय के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए राम दरबार तक पहुंचाने के लिए भक्तों की सुविधा के लिए लिफ्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। हालांकि इस कार्य में अभी कुछ मन का समय लग सकता है। प्रति घंटे केवल 50 और प्रतिदिन अधिकतम 750 लोग ही राम दरबार का दर्शन कर सकेंगेः ट्रस्ट के अनुसार राम दरबार में दर्शन के लिए प्रतिदिन निशुल्क विशेष पास जारी किए जाएंगे। प्रति घंटे केवल 50 और प्रतिदिन अधिकतम 750 लोग ही राम दरबार का दर्शन कर सकेंगे। ऐसा श्रद्धालु व राम दरबार की सुरक्षा को देखते हुए इंजीनियरों की राय के बाद निर्णय लिया गया है।

बंधवा हनुमान मंदिर पर उमड़ी भक्तों की भीड़,बजरंग बली के लगे जयकारे, शहर में जगह-जगह चल रहे भंडारे

प्रयागराज। पांचवें बड़े

मंगल पर आस्था और सेवा का उत्साह चरम पर है। यह इस वर्ष का आखिरी बड़ा मंगल है। हनुमान मंदिरों में भारी भीड़ दर्शन के लिए उमड़ी है। सिविल लाइंस हनुमान मंदिर और लेटे हनुमान मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं। बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं ने संगम स्नान कर दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे। बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलबीर गिरी ने विधिवत पूजा अर्चना की। लेटे हनुमान जी का दूध, दही, घृत, शहद और गंगाजल से अभिषेक किया गया। इसके बाद हनुमान जी को चोला चढ़ाया गया।मंदिर में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। मंदिर परिसर घंट घड़ियालों की ध्वनि से गुंजायमान रहा। भक्त जय श्री राम और जय बजरंगबली का जयघोष करते रहे। मंदिर परिसर को फूल-मालाओं और रंगीन विद्युत झालरों से सजाया गया।पंडितों के अनुसार, ज्येष्ठ मास में हनुमान जी की मुलाकात श्री राम से हुई थी। इस वर्ष ज्येष्ठ मास के आखिरी मंगलवार को शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संयोग बना। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह 'संकटमोचन सिद्धि योग' है। इस योग में हनुमान पूजन से शत्रु बाधा, रोग, कर्ज और भय से मुक्ति मिलती है। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर हनुमान चालीसा, हनुमानाष्टक और बजरंग बाण का पाठ किया। मंदिरों में लड्डू, तुलसी पत्र, सिंदूर और नारियल अर्पित कर हनुमान जी से शक्ति, साहस और विजय की कामना की गई।

कानपुर में सर्राफा कारोबारी पर बदमाशों ने चलाई गोली,थोड़ी देर बाद कॉल किया, बोले- जिंदा रहना है तो 50 लाख रुपए दे दो

कानपुर। सर्राफा कारोबारी पर सवार हमलावर सीटीआई चौराहे

बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली स्कूल के गेट में जाकर लगी। इससे कारोबारी बाल-बाल बच गए। वारदात के बाद पिस्टल लहराते हुए भाग गए। थोड़ी दूर जाने के बाद कारोबारी को फोन कर धमकाया। कहा- गुड्डू, धमाका हमने कराया है, जिंदा रहना है तो 50 लाख रुपए दे दो। इसके बाद कारोबारी ने पुलिस को सूचना दी। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पूरी घटना गोविंदनगर के क्यू ब्लॉक में रविवार को हुई, लेकिन वीडियो सोमवार देर शाम सामने आया।अनिल गुप्ता उर्फ गुड्डू क्यू ब्लॉक, गोविंदनगर में रहते हैं। उनकी बिल्हौर में सेठ रामकुमार गुप्ता ज्वेलर्स के नाम से शॉप है। अनिल ने बताया- वह सप्ताह में तीन दिन-रविवार, मंगलवार और शुक्रवार को दुकान जाते हैं। रविवार को मैं शॉप बंद करके स्विफ्ट डिजायर कार से घर के लिए निकला, तभी रास्ते में एक अनजान नंबर से कॉल आई। रिसीव करने पर कॉल करने वाले ने हैलो कहने के बाद फोन काट दिया। मैं रात 9:39 बजे घर पहुंचा और कार खड़ी की। फिर डिग्गी से सामान निकाल रहा था, तभी बाइक सवार दो नकाबपोश युवक मेरे पास से गुजरे। बाइक में पीछे बैठे युवक ने पिस्टल निकालकर बाएं हाथ से मुझ पर फायर झोंक दिया। उन्होंने बताया- गोली उन्हें न लगकर घर के बगल में स्थित स्कूल के गेट पर जा लगी। मैंने शोर मचाया तो बाइक की ओर भाग निकले।मैंने मोहल्ले वालों को इसकी जानकारी दी। तब कुछ लोग वहां पहुंच गए। थोड़ी देर बाद मैं घर के अंदर चला गया। इसके बाद फिर से अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने नाम लेते हुए कहा- गुड्डू, धमाका हमने करवाया है। जिंदा रहना है तो 50 लाख रुपए का इंतजाम कर लो। मैं बहुत परेशान हूं। इसके बाद उसने फोन काट दिया। थोड़ी ही देर बाद दोबारा कॉल आई। इस बार फोन मेरे पिताजी रामकुमार ने रिसीव किया। पूछा- रुपए कहां पहुंचाने हैं, जिसके बाद वह कुछ देर तक शांत रहा और फिर फोन काट दिया। इसके बाद मैंने पुलिस को सूचना दी।घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि अनिल के मोबाइल पर जिस नंबर से कॉल आई थी, उसका लोकेशन उन्नाव मिला। इसके बाद गोविंदनगर थाना पुलिस की एक टीम उन्नाव के लिए रवाना हो गई। पुलिस की 2 टीमें सीसीटीवी के आधार पर कारोबारी पर गोली चलाने वाले बाइक सवारों की तलाश में लगी हैं। डीसीपी साउथ दीपेंद्रनाथ चौधरी ने कहा- कारोबारी पर गोली चलने और रंगदारी मांगने की घटना संज्ञान में आई है। मामले में शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा लिख लिया गया है। आरोपियों की तलाश में टीमें लगा दी गई हैं। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

गाजियाबाद में सूटकेस में मिली महिला की लाशःनाक से खून बहा, शरीर पर चोट के निशान; बॉडी तोड़-मरोड़ कर पैक की गई

गाजियाबाद। 28 साल की

महिला की लाश सूटकेस में मिली है। सूटकेस चादर में लपेटकर फेंका गया था। मंगलवार सुबह 8 बजे इसे कुत्ते खींच रहे थे। आसपास के लोगों को शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस, महिला पुलिस, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंची है।घटना लोनी बॉर्डर थाना के शिव वाटिका के पास की है। महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। गले पर भी निशान है। नाक से खून बहा है। ऐसे में पुलिस मान रही कि गला दबाकर हत्या की गई। लोनी बॉर्डर इलाका बागपत जिले की सीमा और दूसरी तरफ दिल्ली के नजदीक है। ऐसे में माना जा रहा कि दूसरी जगह हत्या कर लाश को यहां फेंका गया। फिलहाल, पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश में जुटी है।पुलिस के मुताबिक, महिला नीले रंग का सूट, ब्लैक सलवार पहने है। एक पैर में काला धागा भी बंधा है। बिछिया पहने है। मांग में हल्का सिंदूर जैसा निशान मिला है। हत्या कर तोड़-मरोड़ कर पहले शव को कपड़ों में लपेटा गया। इसके बाद ग्रीन कलर के सूटकेस में लाश को पैक किया। पॉलीथिन से सूटकेस को लपेटा, फिर ऊपर से सूटकेस को चादर में लपेटा दिया। जिस जगह पर सूटकेस मिला है, वहां खाली प्लॉट है। जबकि आसपास दुकानें हैं।एडिशनल पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी ने कहा- पुलिस पूरे मामले में जांच-पड़ताल कर रही है। दूसरी जगह पर हत्या कर शव को सूटकेस में रखकर फेंका गया है। महिला की पहचान होने के बाद ही पूरे मामले का पता चल सकेगा। सभी थानों से गुमशुदा महिलाओं के बारे में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। लाश के हुलिए से गुमशुदा महिलाओं की फोटो का मिलान कराया जा रहा है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह ने बताया- 10 जून की सुबह कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली। बेहटा हाजीपुर से बंधला को जाने वाले नहर रोड़ के किनारे एक सूटकेस में डेड बॉडी पड़ी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फील्ड यूनिट को बुलाया। फील्ड यूनिट ने सबूत जुटाए। सूटकेस को खोला तो उसके अंदर महिला का शव मिला। महिला सिंदूर और बिछिया पहने थी। हिंदू लग रही है।पुलिस महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सीसीटीवी के आधार पर लोकेशनल क्लियर हो सकती है कि लाश किस रूट से और किसने लाकर यहां फेंकी। अगर किसी वाहन पर लादकर शव यहां लाकर फेंका गया होगा तो गाड़ी नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंच जाएगी।

यू-ट्यूब पर देखकर बच्चे की गर्दन दबाईःबच्चे की हालत बिगड़ने पर आईसीयू में कराया भर्ती; 4 दिन बाद आया होश

प्रयागराज। कमलापुर देवीगंज

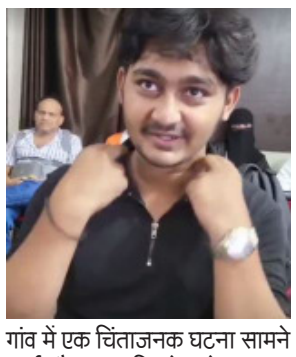

गांव में एक चिंताजनक घटना सामने आई है। एक किशोर ने यूट्यूब पर देखी गई तरकीब की नकल करते हुए 11 वर्षीय बच्चे की कैरोटिड धमनी दबा दी। इस कारण बच्चा बेहोश हो गया।घटना शादी समारोह के दौरान हुई, जब बच्चे खेल रहे थे। किशोर फरहान ने यूट्यूब पर देखी तरकीब आजमाते हुए अहमान की गर्दन की नस दबा दी। कुछ ही देर में अहमान की हालत बिगड़ने लगी। उसके मुंह से झाग निकलने लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ा।प्राथमिक उपचार से राहत न मिलने पर परिजन अहमान को प्रयागराज के न्यूरोसर्जन डॉ. प्रकाश खेतान के पास लेकर आए। एमआरआई में पता चला कि मस्तिष्क तक ऑक्सीजन पहुंचाने वाली कैरोटिड धमनी दबने से रक्त प्रवाह बाधित हुआ था।पीड़ित के पिता मोहम्मद यूनुस के अनुसार, बच्चे को चार दिन तक आईसीयू में रखना पड़ा। इसके बाद उसकी स्थिति में सुधार आया। डॉ. खेतान ने इसे इंटरनेट के दुष्प्रभाव बताया। कॉल्विन अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. राकेश पासवान ने अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें बाहरी खेलों में व्यस्त रखने की सलाह दी है।

प्रयागराज में अवैध प्लाटिंग पर पीडीए की कार्रवाईःमासिका और नेवादा समोगर में 45 बीघे की अवैध प्लाटिंग को किया ध्वस्त

प्रयागराज। पीडीए ने सोमवार

को नैनी के औद्योगिक क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पीडीए ने मासिका और नेवादा समोगर में जेसीबी मशीन से अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया।मासिका क्षेत्र में शिव लोचन मिश्रा, गुलाब सिंह, हरिशंकर, शिव शंकर, मंजू सिंह, सुखदेव मिश्र और अभय त्रिपाठी द्वारा की गई 45 बीघा की अवैध प्लाटिंग को तोड़ा गया। नेवादा समोगर गांव में शिवेंद्र सिंह, अमर बहादुर सिंह, पुरोहित सिंह, धर्मेश प्रताप सिंह, पद्माकर सिंह और भूपेंद्र सिंह द्वारा की गई 40 बीघा की अवैध प्लाटिंग भी ध्वस्त की गई।पीडीए के जोनल अधिकारी सूरज कुमार पटेल ने बताया कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता अशोक सिंह, सुपरवाइजर, पीडीए प्रवर्तन दल और औद्योगिक क्षेत्र की पुलिस मौजूद रही।

प्रयागराज में आज निकलेगी जगन्नाथ की विश्राम यात्रा,गर्मी से बचाने के लिए संगम के जल से स्नान कराया जाएगा

प्रयागराज। श्री जगन्नाथ जी

महोत्सव समिति ट्रस्ट के द्वारा प्रयागेश्वर जगन्नाथ मंदिर काशी राजनगर बलुआघाट से भगवान जगन्नाथ जी की भव्य विश्राम यात्रा निकाली जाएगी। ट्रस्ट के रथ यात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि 11 जून यानि आज ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मंदिर प्रांगण में भगवान जगन्नाथ जी को गर्मी से राहत के लिए पवित्र त्रिवेणी संगम के जल से विधि विधान से सांकेतिक स्नान विधि का आयोजन किया जाएगा। स्नान के पश्चात पौराणिक कथा के अनुसार भगवान जगन्नाथ जी ज्वर पीड़ा से अस्वस्थ हो जाते हैं तब वह विश्राम के लिए एकांतवास की ओर प्रस्थान करते हैं जिसे स्नान एवं विश्राम यात्रा के रूप में जाना जाता है और भगवान जगन्नाथ जी 15 दिनों तक अस्वस्थ होने के कारण एकांतवास में विश्राम करते हैं और इस दौरान उन्हें जलजीरा, हल्दी युक्त दूध,आम का पना, औषधि युक्त काढ़ा, चाय, खिचड़ी, मुरब्बा, आयुर्वेदिक दवा, आदि का भोग लगाया जाएगा और रुटीन चेकअप किया जाएगा।जब भगवान जगन्नाथ जी पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाते हैं तो अपनी मौसी गुंडीचा माता से मिलने के लिए रथ यात्रा पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देते हैं। रथ यात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि विश्राम यात्रा 11 जून को शाम 5 बजे भगवान जगन्नाथ जी की मंदिर काशी राजनगर बलुआघाट से उठकर कटघर सालिक गंज, मुट्ठीगंज छोटा चौराहा, मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा, राम भवन, बहादुरगंज, सुलाकी चौराहा शिवचरण लाल रोड, मानसरोवर, मोती महल चौराहा, हीवेट रोड, चमेली बाई धर्मशाला से होते हुए आर्य भवन जीरो रोड पर आकर विश्राम लेगी। विश्राम यात्रा में भगवान जगन्नाथ जी के साथ भ्राता बलभद्र एवं बहन सुभद्रा साथ में विराजेंगे। गरुण महाराज, हनुमान जी महाराज, गणेश जी, राधा कृष्ण, कृष्ण बलराम, नरसिंह भगवान, विष्णु भगवान की झांकी शामिल रहेगी। इसके अलावा ध्वज पताका सहित, डीजे बैंड, ब्रास बैंड आदि शामिल रहेगी।

नगर निगम ने स्ट्रीट लाइट लगवाने में कर दिया गड़बड़,प्रयागराज में महाकुंभ के पहले जिन सड़कों की स्ट्रीट लाइट पीडीए ने बदलवाई थी, वहां लगा दी नई लाइट

प्रयागराज। महाकुंभ के पहले जिन

सड़कों की स्ट्रीट लाइट पीडीए ने बदलवाई थी, वहां लगा दी नई लाइटप्रयागराज नगर निगम ने महाकुंभ के पहले पीडीए की तरफ से शहर के जिन सड़कों की स्ट्रीट लाइट बदलवाई गई थी। नगर निगम ने कुछ अधिकारियों उसको बदलवाकर वहां फिर से नई स्ट्रीट लाइट लगवा दी। जबकि पीडीए की तरफ से लगाई गई स्ट्रीट लाइटें अभी वारंटी में है। इस बारे में जब निगम को पता चला तो उन्होंने वापस उन लाइटों को लगवा दिया। इसके बाद बदली गई स्ट्रीट लाइटें कहां है। इसकी लिखा पढ़ी में कोई जानकारी नहीं है।प्रयागराज विकास प्राधिकरण और नगर निगम की तरफ से एक ही सड़क पर अलग-अलग स्ट्रीट लाइट लगाकर दोनों विभागों की तरफ से कंपनियों को भुगतान करने के मामले को लेकर टैगोरटाउन के पार्षद आशीष कुमार द्विवेदी की शिकायत पर मामले की जांच शुरू हो गई है। शिकायत में बताया गया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण और नगर निगम ने जोन संख्या चार में बैरहना पुलिस चौकी से लेकर मनकामेश्वर मंदिर सिमेंट्री रोड तक पोल और स्ट्रीट लगाने का कार्य करने के नाम पर जीपीएस खिंचाकर फर्म को अलग-अलग भुगतान कर दिया। वहीं पीडीए के अधिकारियों ने बताया कि उनको मेला प्राधिकरण की तरफ से इस कार्य को करने के निर्देश दिए गए थे। पार्षद के बाद नगर निगम प्रशासन की नींद खुली है। इसके बाद इसकी जांच के लिए कमेटी बनायी गई है।शिकायत करने वाले पार्षद आशीष कुमार द्विवेदी ने बताया कि नगर निगम ने बदली गईं स्ट्रीट लाइटों की अर्थिंग में भी खेलकर दिया है। अमरनाथ झा मार्ग, मालवीनगर रोड समेत अन्य मार्ग पर 12 हजार के कैमिकल अर्थिंग लगाई है। बताया कि यह काम छह सौ रुपये की रॉड से काम हो सकता था। जिन पांच रोड पर पीडीए ने कार्य कराया था।

अब मनकामेश्वर मंदिर में धोती पहनकर करना होगा अभिषेक, प्रयागराज के इस शिव मंदिर में सावन महीने से लागू होगी यह व्यवस्था

प्रयागराज। यमुना नदी के तट

पर स्थित प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर में कपड़े को लेकर अब नई व्यवस्था शुरू होगी। यहां अभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं को पैंट या जींस नहीं बल्कि धोती पहनना होगा। जबकि महिलाओं को साड़ी में अभिषेक करना होगा। यह नई व्यवस्था सावन महीने के पहले से दिन ही लागू होगी।श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया, यह नया नियम 11 जुलाई से लागू होने जा रहा है। पुरुष श्रद्धालु धोती के साथ शर्ट या कुर्ता पहन सकते हैं। महिलाओं को साड़ी या सूट सलवार में अभिषेक करना अनिवार्य होगा। सावन मास के बाद भी यही नियम हमेशा के लिए लागू रहेगा।महंत श्रीधरानंद बताते हैं कि श्रद्धालुओं को धोती साथ लेकर आना होगा। यदि उनके पास धोती नहीं है या धोती नहीं लाते हैं तो मंदिर में ही उन्हें धोती उपलब्ध कराई जाएगी। इसे पहनकर ही श्रद्धालु को अभिषेक करना होगा। अभिषेक पूर्ण होने के बाद धोती मंदिर प्रशासन को लौटाना होगा।महंत बताते हैं कि आराध्य की स्तुति में वस्त्र का विशेष महत्व होता है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि जो भी मन करे वह पहनकर पूजन कर लिया। दरअसल, धोती पवित्र होती है उसे पहनकर पूजा या अभिषेक करने से आराध्य के प्रति सम्मान और भक्ति के प्रति भाव प्रकट होता है।पिछले साल ही मनकामेश्वर मंदिर में आदेश जारी किया गया था यहां आने वाले श्रद्धालु कटे फटे जींस आदि पहनकर नहीं आ सकते हैं। इसके लिए बकायदा मंदिर प्रशासन की ओर से सूचना भी चस्पा करा दिया गया था। अब इसके बाद धोती की व्यवस्था लागू की जा रही है। मंदिर के पुजारियों व पूरे स्टाफ को इसके लिए निर्देश दिया गया है।

नैनी के पान विक्रेता का बेटा बना सीआईएसएफ सब इंस्पेक्टरःपरिवार और समाज ने ढोल-बाजों के साथ किया स्वागत, युवाओं के लिए बना प्रेरणा

प्रयागराज। नैनी मामा

भांजा चक गरीब दास में रहने वाले सौरभ गुप्ता ने सीआईएसएफ में सब इंस्पेक्टर का पद हासिल किया है। सौरभ के पिता दिलीप कुमार गुप्ता पान की दुकान चलाते हैं और मां विजयलक्ष्मी गृहिणी हैं।इस उपलब्धि के बाद स्थानीय पार्षद संजय कुमार पासवान और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री चंदन सिंह ने ढोल-बाजों के साथ सौरभ के घर पहुंचकर उनका स्वागत किया। उन्होंने सौरभ और उनके माता-पिता को मिठाई खिलाई। फूल मालाओं से सजाकर जुलूस भी निकाला गया।सौरभ के छोटे भाई यश गुप्ता और बहन कोमल भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। पिता दिलीप कुमार ने कहा कि बेटे ने अपनी मेहनत से साबित कर दिया है कि कुछ भी असंभव नहीं है। पार्षद संजय ने सौरभ को युवाओं के लिए रोल मॉडल बताया।भाजपा नेता चंदन सिंह ने कहा कि वे लंबे समय से प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विरासत में क्या मिला यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि हम विरासत में क्या छोड़ जाते हैं।इस अवसर पर सौरभ के नाना पूर्व प्रधान भोला नाथ गुप्ता, बड़े पापा राजू साहू, छोटे लाल गुप्ता, विकास साहू, मनोज भारतीय समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव क्या सपा सिंबल पर लड़ेगी?,2027 की कसौटी से पहले क्या कर रही पार्टी, अखिलेश बोले- हम पूरी तरह तैयार

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में कराए जाने की संभावना है। ऐसे में राजनीतिक दलों ने इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी ने भी पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मानते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।सपा पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल के रूप में देख रही है। उत्तर प्रदेश की लगभग दो-तिहाई (269) विधानसभा सीटें ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। पंचायत चुनाव में प्रदर्शन इन क्षेत्रों में सियासी ताकत का आकलन करने का एक बड़ा मंच है।समाजवादी पार्टी ने पंचायत चुनाव को लेकर काम शुरू कर दिया है। कार्यकर्ताओं से आरक्षण और परिसीमन प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा गया है। पिछले अनुभवों के आधार पर सपा को लगता है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी परिसीमन में जातीय आंकड़ों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकती है। यही वजह है कि सपा ने हर जिले में अपने पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिससे आरक्षण और परिसीमन में किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत पकड़ा जाए और इसकी शिकायत राज्य निर्वाचन आयोग से की जाए।सपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को आधार बनाकर रणनीति बनाई है। तब उसने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (ईई) फॉर्मूले के जरिए अच्छा प्रदर्शन किया था। सपा इस

फॉर्मूले को पंचायत चुनाव में भी दोहराने की कोशिश करेगी। जिससे 2027 के विधानसभा चुनाव में ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी स्थिति को और मजबूत कर सके।सपा का मानना है कि ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्षों का नेटवर्क ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए पार्टी इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है।सपा ने ग्रामीण स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जातीय सर्वेक्षण और मंडल राजनीति का सहारा लेने की रणनीति बनाई है। पार्टी सूत्रों का कहना है, इस चुनाव से सपा संगठनात्मक स्तर पर बूथ मैनेजमेंट और मतदाता जागरूकता कर लोगों तक पहुंचना चाहती है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी की पैठ और मजबूत की जा सके। पार्टी इसके जरिए विधानसभा चुनाव 2027 में अपनी पैठ और मजबूत करना चाहती है।पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था- हम पंचायत चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। हमारे कार्यकर्ता तैयार रहेंगे। भाजपा कोई भी षडयंत्र कर सकती है। उनके पास डाटा है, तकनीक है, हायर्ड लोग हैं। पैसे दे रहे हैं। वो ये पहचान कर लेंगे कि कौन-सी ग्रामसभा या कौन सा बूथ डिस्टर्ब करना है। कौन-सी ग्रामसभा का वोट इधर-उधर करना है, जिससे समीकरण बदल जाए। वो तैयारी कर रहे होंगे, हम भी उसके लिए तैयार हैं।पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव आमतौर पर बिना पार्टी सिंबल के होते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख के चुनावों में पार्टी चिह्न का उपयोग होता है। 2021 के चुनाव में समाजवादी पार्टी और भाजपा दोनों ने अपने-अपने सिंबल पर चुनाव लड़ा था। सपा इस बार भी अपने सिंबल साइकिल पर चुनाव लड़ सकती है। हालांकि पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव कहते हैं- इसका आधिकारिक फैसला चुनाव की तारीख आने के बाद होगा। शीर्ष स्तर पर होने वाले फैसले के बारे में अभी से कुछ कहना जल्दबाजी होगी।यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख पद के चुनाव इस बार डायरेक्ट कराने की चर्चा चल रही है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव कहते हैं- इसके लिए सरकार को एक्ट में बदलाव करना होगा। लेकिन, अगर ऐसे चुनाव होता है तो हम सब सहमत हैं।कम से कम सदस्यों की खरीद-फरोख्त तो नहीं होगी। मौजूदा दौर में ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता की ओर से चुने गए सदस्य करते हैं। हालांकि, इसे लेकर भारी खरीद-फरोख्त का इल्जाम सरकारों पर लगता रहा है।2021 में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा के 67 और सपा के 4 जिला पंचायत अध्यक्ष बने थे। लेकिन, जिला पंचायत सदस्य की 3,050 सीटों में से सपा ने 759 पर जीत दर्ज की थी। वह भाजपा की 768 सीटों के काफी करीब थी। हालांकि, निर्दलीय प्रत्याशियों ने 944 सीटें जीतकर दोनों प्रमुख दलों को कड़ी टक्कर दी थी। ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत स्तर पर भी सपा को निर्दलीय और भाजपा से कड़ी चुनौती मिली थी, लेकिन पार्टी ने कई क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके अलावा कई जिला पंचायत सदस्य की सीट पर सपा ने प्रत्याशी नहीं उतारे थे, निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन दिया था।

देश में दूसरा सबसे गर्म शहर रहा आगरा-झांसी,पारा 45.9 डिग्री पहुंचा, यूपी के 19 जिलों में आज हीटवेव की चेतावनी

आगरा। यूपी भीषण लू की चपेट में है। सुबह से ही निकल रही तेज धूप दोपहर तक मानों झुलसा रही है। उमस और परेशान कर रही है। सोमवार को झांसी और आगरा देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। यहां पारा 45.9सेल्सियस दर्ज किया गया। देश में सबसे ज्यादा गर्म राजस्थान का श्रीगंगानगर रहा, यहां पारा 47.3सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा यूपी के 22 जिलों में अधिकतम पारा 40सेल्सियस के पार चला गया।मौसम विभाग ने आज यानी मंगलवार के लिए प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, कानपुर झांसी और इसके आसपास के 19 जिलों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। यहां दिन के साथ रात भी सामान्य से ज्यादा गर्म रहेगी।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया- 11 जून के बाद बंगाल की खाड़ी से उठी नमी का असर पूर्वांचल में होगा। बूंदाबांदी का दौर शुरू होगा। कई जिलों में मंगलवार और बुधवार को भीषण गर्मी पड़ेगी। पारा 46 डिग्री के पार जा सकता है।गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ गई है। आठ जून की रात बिजली की मांग इस सीजन सबसे ज्यादा 30 हजार 161 मेगावाट पहुंच गई। इस साल अधिकतम मांग 32 हजार मेगावाट तक जा सकती है। पिछले साल मई महीने में बिजली की सबसे ज्यादा मांग 30 हजार 618 मेगावाट थी।यूपी में स्कूल 16 जून से खुलेगा। इन दिनों भीषण गर्मी को देखते हुए अभिभावकों और शिक्षकों

ने सीएम योगी से छुट्टी बढ़ाने की मांग की है। कहना है कि स्कूल खोलने का फैसला बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। स्कूल 30 जून तक बंद किया जाए।सोमवार को वाराणसी, प्रयागराज, सुल्तानपुर सहित पूर्वांचल यूपी 12 से ज्यादा घंटे तक लू की चपेट में रहा। सुबह से तेज धूप ने बेबस कर दिया। दिन और रात दोनों समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवा चली। रात में हवा में हल्की नमी बढ़ी तो उमस ने और परेशान कर दिया।गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ गई है। आठ जून की रात बिजली की मांग इस सीजन सबसे ज्यादा 30 हजार 161 मेगावाट पहुंच गई। इस साल अधिकतम मांग 32 हजार मेगावाट तक जा सकती है। पिछले साल मई महीने में बिजली की सबसे ज्यादा मांग 30 हजार 618 मेगावाट थी।कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजीव श्रीवास्तव बताते हैं, बारिश से धान की फसल को फायदा है। धान नर्सरी के लिए किसान खेत तैयार कर रहे हैं। मोटे अनाजों की बोआई के लिए भी बारिश फायदेमंद है। इस समय मक्का, सामा और काकून आदि की बोआई के लिए एकदम सही समय है, क्योंकि इसके लिए नमी की जरूरत होती है।कृषि विशेषज्ञ ने बताया- इस बारिश से आम की फसल को नुकसान पहुंच सकता है। जहां आम की मिठास कम होने की आशंका है, वहीं फल में कीड़े लगने की आशंका बन जाती है। हरी सब्जियों के लिए भी यह बारिश ठीक नहीं है। लौकी, करेला, भिंडी, तोरई जैसी सब्जियां धूप की तपिश और पानी भरने से खराब हो जाती हैं।उत्तर प्रदेश स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, सूबे में हर साल करीब 27 लाख हेक्टेयर भूमि बाढ़ से प्रभावित होती है। पूरे यूपी के रकबे की बात करें, तो यह 240.93 लाख हेक्टेयर है। यानी कुल क्षेत्रफल का 11 फीसदी बाढ़ से प्रभावित रहता है।बारिश में अमूमन प्रदेश में करीब 20 से 25 जिले बाढ़ की चपेट में आते हैं। इन जिलों में बाढ़ से प्रभावित गांवों की संख्या सैकड़ों में होती है। इससे प्रभावित होने वाली आबादी लाखों में है।ज्यादा बारिश की वजह से जो नदियां बाढ़ के लिए जिम्मेदार बनती हैं, उनमें गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती, शारदा, घाघरा, राप्ती और गंडक शामिल हैं। इन नदियों के आस-पास आने वाले क्षेत्रों में 73.06 लाख हेक्टेयर ऐसा है, जहां बाढ़ आने की संभावना रहती है।उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के मुताबिक, इसमें से सिर्फ 58.72 लाख हेक्टेयर एरिया को ही सुरक्षित बनाया जा सका है। डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की मानें तो पूर्वांचल के जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसमें भी जो जिले नेपाल बॉर्डर के साथ लगे हैं, वहां खतरा सबसे ज्यादा रहता है। इस बाढ़ से हर साल करीब 430 करोड़ रुपए से ऊपर की फसलों और घरों का नुकसान होता है।यूपी में मानसून इस बार तय समय से पहले आ सकता है। 15 से 20 जून के बीच मानसून आने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ, जब मानसून पहले आया है। हालांकि, पिछली बार भी 20 जून को मानसून आने की संभावना जताई गई थी। लेकिन, यह 10 दिन की देरी से आया था। जबकि, केरल में तय डेट से दो दिन पहले 30 मई को एंट्री कर गया था।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु नासा में भी पढ़ते हैं गीता,लखनऊ में पिता बोले- बेटा आस्तिक, घर में सुंदरकांड की तैयारी, मां बोलीं- खुशी और डर दोनों है

लखनऊ। एस्ट्रोनॉट शुभांशु

शुक्ला कल (11 जून) शाम 5:30 बजे अमेरिका से अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने से पहले शुभांशु ने रविवार को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने और उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया।बेटा अंतरिक्ष में जा रहा है तो घरवालों के मन में क्या कुछ चल रहा है अलीगंज के त्रिवेणीनगर स्थित उनके घर की गलियों को भी प्राउड शुभांशु के बैनर-होर्डिंग से सजा दिया गया है।तिरंगे और एयरफोर्स की थीम पर लगे बैनर पर कई मैसेज लिखे हैं। उनके घर के अंदर आदमकद कटआउट लगा है। घर में एस्ट्रोनॉट के माता-पिता से मिलने वालों का आना-जाना लगा हुआ है। पिता और मां एक ही सोफे पर बैठे

हैं।बगल के सोफे पर दोनों बड़ी बहनें हैं। पिता और दीदियों के चेहरे पर फख्र झलक रहा है तो मां इमोशनल हैं। बातचीत शुरू हुई तो पिता एसडी शुक्ला ने कहा- इस अंतरिक्ष यात्रा के लिए बेटे से ज्यादा हम एक्साइटेड हैं।मां से पूछा कि उनके मन में क्या चल रहा है तो उन्होंने कहा- सोमवार को सत्यनारायण व्रत की कथा सुनी। मंगलवार को बजरंगबली की पूजा करेंगे। प्रसाद बांटेंगे। उन्हीं की कृपा से बेटे और मिशन के लिए सब अच्छा होगा।शुभांशु के पिता एसडी शुक्ला बेहद शांत लेकिन भीतर से गर्व और उत्साह से भरे हुए दिखे। उन्होंने बताया कि, 'हम कल ही बात कर रहे थे शुभांशु से। वो बहुत सामान्य ढंग से बात करता है–जैसे कुछ बड़ा हो ही नहीं रहा हो। बेटा मिशन से जुड़ी बारीक बातें साझा नहीं करता।'शुभांशु कहता है अभी ध्यान भटकाना ठीक नहीं है, नासा के नियम हैं, इसलिए हम भी कुछ ज्यादा नहीं पूछते। वह जो भी करता है, बहुत सोच-समझकर करता है। शायद इसी शांति ने उसे यहां तक पहुंचाया है।'पिता ने बताया- 'शुभांशु को अध्यात्म से गहरा लगाव है। ईश्वर में उसकी गहरी आस्था है। जब भी समय मिलता है, तो वह गीता जरूर पढ़ता है। उसकी ये आदत नासा में ट्रेनिंग के दौरान भी कायम है।'हम बड़े मंगल के दिन मंदिर भी जा रहे हैं। हनुमानजी को भोग चढ़ाएंगे और सुंदरकांड का पाठ करेंगे। हमारी श्रद्धा है और भगवान बजरंगबली पर भरोसा है कि शुभांशु सुरक्षित लौटेगा।शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला बेटे की इस ऐतिहासिक उड़ान को लेकर बहुत भावुक हैं। उन्होंने बातचीत में बताया- 'जबसे पता चला कि शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाला है, खुशी और डर दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। एक तरफ मन बहुत गर्व से भर जाता है कि हमारा बेटा पूरे देश का नाम रोशन कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ एक मां का दिल भी है... जो बार-बार घबरा जाता है।'आशा शुक्ला ने बताया कि उन्होंने शुभांशु की सलामती और सफलता के लिए सोमवार को सत्यनारायण भगवान की कथा रखवाई। 'रिश्तेदार, पड़ोसी सभी आए,

सबने उसके लिए शुभकामनाएं दीं, आशीर्वाद दिया। बहुत लोग दुआएं दे रहे हैं। बेटे के लिए आज सुंदरकांड का पाठ करने मंदिर जा रहे हैं। हनुमानजी की कृपा से सब अच्छा होगा।'मां बताती हैं कि जब बेटे से बात होती है, तो वह बस हालचाल पूछता है, 'वो मिशन के बारे में ज्यादा नहीं बताता, शायद हमें परेशान नहीं करना चाहता। लेकिन एक मां सब महसूस कर लेती है। उसके चेहरे की आवाज़ तक से मैं जान जाती हूं कि वो किस स्थिति में है।'शुभांशु की बड़ी बहन निधि मिश्रा ने अपने भाई को याद करते हुए बहुत सारी पुरानी बातें साझा कीं। बोलीं- 'जब वह एनडीए गया था, तब उसकी उम्र सिर्फ 16-17 साल रही होगी। लेकिन तभी हमें लगा कि अब वो बच्चा नहीं रहा। उसके व्यवहार में इतनी परिपक्वता आ गई थी कि हमें खुद महसूस हुआ- ये अब लड़का नहीं, एक सच्चा जेंटलमैन बन चुका है।'हमारे घर में हम दोनों बहनों में झगड़े होते थे, लेकिन शुभांशु हमेशा बीच में समझौता कराने वाला रहता था। हम उसे जो भी बोलते थे, वही करता था। कभी विरोध नहीं किया। छोटा भाई है तो हमने उससे खूब काम करवाए। कभी सामान लाने भेजा, कभी दरवाजे पर 'सिक्योरिटी गार्ड' बनाकर खड़ा करा दिया। उसने कभी विरोध नहीं किया। बस मुस्कराकर सब कर देता था।निधि बताती हैं कि अब भी जब शुभांशु फोन करता है, तो सभी घरवालों से बात करता है। वह सबसे जुड़ा हुआ है। बच्चों को करियर के बारे में गाइड करता है। मामा का फोन आता है तो हमारे बच्चे बचने लगते हैं कि कहीं मामा कुछ पूछ न लें।

फोन पर हमें मोटिवेट करता है। खुद भी हमेशा स्थिर रहता है।मैंने कभी नहीं देखा कि वह तनाव में हो। शुभांशु से फोन पर बात होती है। देता है कि अभी कोई डिस्टर्ब करने वाली बात मत करो, मैं मिशन पर फोकस रहना चाहता हूं। मैं कभी मजाक में पूछ लेती हूं- 'तुम्हारा बीपी तो नहीं बढ़ रहा', तो हंस देता है और कहता है, 'मैं नॉर्मल हूं।' उसके लिए जैसे रोज का काम हो रहा हो।

इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन और एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 11 जून को शाम 5:30 बजे अंतरिक्ष की ओर रवाना (लिफ्टऑफ) होंगे। यह मिशन नासा और 'एक्सिओम स्पेस' का साझा मिशन है, जिसका नाम है एक्सिओम-4आई पहले इसकी 29 मई को थी। उसके बाद यह तारीख 8 जून तय की गई। खराब मौसम के कारण डेट बढ़कर 10 जून की गई। अब तारीख 11 जून तय की गई। यह तीसरी बार है जब मिशन की डेट आगे बढ़ी है।शुभांशु इस मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाएंगे और वहां 14 दिन तक रहेंगे। वह भारत के दूसरे ऐसे व्यक्ति होंगे जो किसी निजी अंतरिक्ष मिशन के तहत स्पेस स्टेशन तक पहुंचेंगे। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा सोवियत संघ के मिशन के तहत अंतरिक्ष गए थे।लखनऊ में जन्मे और पढ़ाई करने वाले शुभांशु शुक्ला इस समय इंडियन एयरफोर्स में ग्रुप कैप्टन हैं। पिछले 3 महीनों से वह अमेरिका में नासा की ट्रेनिंग का हिस्सा हैं। उनका परिवार इस ऐतिहासिक पल से पहले बेहद भावुक है।

कानपुर में हिस्ट्रीशीटर गिलट की रंगबाजी पे पुलिस का फुलस्टॉप,निकाला पैदल जुलूस

साहब मुझे जेल भेज दीजिए, लेकिन अब यहां से ले चलिए

कानपूर। पुलिस ने वर्चस्व

जमाने के लिए मोहल्ले में युवक को गोली मारने वाले हिस्ट्रीशीटर सुनील उर्फ गिलट को उसके मोहल्ले में ही पैदल घुमाया। इससे कि इलाके के लोगों के बीच उसकी दहशत खत्म हो जाए। मामूली विवाद में युवक को 25 हजार के इनामी गिलट ने गोली मारी थी।गनीमत रही कि पैर में गोली लगने की वजह से युवक की जान बच गई थी। इसके बाद रायपुरवा थाने की पुलिस ने गिलट को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर दबोच लिया। जेल भेजने से पहले उसका मोहल्ले में पुलिस ने पैदल जुलूस निकाला।डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार रात को रायपुरवा थाना क्षेत्र के तलउआ मंडी निवासी संजय कुमार को मोहल्ले में ही रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सुनील उर्फ गिलट ने गोली मार दी थी। बैठकर काम कर रहा था।इस वजह से पैर में गोली लगने से उसकी जान बच गई थी। इसके बाद रविवार रात को पुलिस ने 25 हजार के इनामी हिस्ट्रीशीटर सुनील उर्फ गिलट से मुठभेड़ हो गई और पैर में गोली मारकर उसे दबोच लिया था। जेल भेजने से पहले सोमवार रात को पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गिलट को रायपुरवा के उसी मोहल्ले में लेकर पहुंची जहां पर अपनी दहशत कायम करने को गोली मारी थी।पुलिस ने गिलट को जीप से उताकर पैदल पूरे मोहल्ले में घुमाया। लोगों से बताया कि अपराधियों का यही हाल होता है। इस दौरान गिलट किसी से नजरें तक नहीं मिला पा रहा था। गिलट पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा कि साहब मुझे जेल भेज दीजिए, लेकिन अब यहां से ले चलिए। पुलिस ने गिलट का पैदल जुलूस निकालने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच वहां से ले गई। अब उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।डीसीपी ने बताया कि सुनील उर्फ गिलट की रायपुरवा इलाके में दहशत थी। जिसको चाहता था पीट देता और गोली मार देता था। उसके खिलाफ रायपुरवा समेत अन्य थानो में 13 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस सोमवार रात को जब उसे एक पैर से लंगड़ाते हुए हालत में मोहल्ले में लेकर पहुंची तब लोगों ने राहत की सांस ली।पुलिस ने इस दौरान लोगों से पूछा कि और कोई मोहल्ले में गुंडागर्दी तो नहीं करता है। अगर मोहल्ले में कोई जुआ सट्?टा खिलावाता हो तो इसकी भी जानकारी दें। इससे कि फौरन एक्शन लिया जा सके।

यूपी के 5 शहरों में बन रहे नए ईएसआई मेडिकल कॉलेज, ईएसआई कर्मचारियों को मिलेगी सुविधा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन विभाग द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना के तहत श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यूपी सरकार की ओर से मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके यह जानकारी दी गई।जारी किए गए बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने मेरठ, शाहजहांपुर, बरेली, गोरखपुर और ग्रेटर नोएडा में नए अस्पतालों के निर्माण के साथ-साथ ग्रेटर नोएडा और वाराणसी में ईएसआई निगम मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।बयान के मुताबिक, ईएसआई योजना के तहत वर्तमान में श्रमिकों को प्राथमिक और द्वितीयक चिकित्सा देखभाल, सुपर स्पेशियलिटी उपचार और आकस्मिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके तहत बीमांकित कर्मचारियों और उनके परिजनों को राजकीय मेडिकल कॉलेजों या जिला अस्पतालों में रेफर कर उपचार सुनिश्चित किया जाता है। साथ ही उपचार पर होने वाले स्वयं के खर्च की प्रतिपूर्ति भी की जाती है।बयान में कहा गया है कि प्रदेश में ईएसआई निगम के 109 अनुबंधित निजी चिकित्सालयों में नकद रहित (कैशलेस) उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

पीलीभीत सपा कार्यालय को खाली कराने पहुंचे 50 अफसर,गुस्साए सपाई भिड़े, 200 जवान तैनात, ड्रोन से निगरानी, सरकारी आवास में चल रहा था ऑफिस

लखनऊ। पीलीभीत में सपा का जिला कार्यालय खाली कराया जा रहा है। इसका पता चलते ही 200 से ज्यादा सपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उनकी नगरपालिका के अधिकारियों से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद सपा कार्यालय को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 50 अफसर और पांच थानों के 200 पुलिसकर्मी और एक कंपनी तैनात है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। वाटर कैनन और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई हैं। दरअसल, सपा कार्यालय नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के आवास में चल रहा था। तीन दिन पहले नगरपालिका ने कार्यालय के गेट पर नोटिस चस्पा किया था और 10 जून तक कार्यालय खाली करने को कहा था। लेकिन कार्यालय खाली नहीं किया गया। इसके बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की। इस कार्रवाई को सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' ने असंवैधानिक बताया। उन्होंने डीएम और एसपी से मुलाकात की और कहा– मामला सिविल कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए कार्यालय को खाली न कराया जाए।2005 में नगर पालिका ने नकटा दाना चौराहे

के पास अधिशासी अधिकारी (ईओ) आवास को सपा कार्यालय के लिए डेढ़ सौ रुपए मासिक किराए पर आवंटित किया था, लेकिन 12 नवंबर 2020 को यह आवंटन रद्द कर दिया गया। कहा गया कि यह आवंटन निर्धारित प्रक्रिया के तहत नहीं हुआ था। इसके खिलाफ तत्कालीन सपा जिलाध्यक्ष आनंद सिंह यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसे 1 दिसंबर 2020 को उन्होंने स्वयं ही वापस ले लिया। इसके बाद सपा ने 2021 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में मुकदमा किया, जो अब भी विचाराधीन है। पालिका का कहना है कि मामला विचाराधीन होने के बावजूद अब तक कोई अंतरिम आदेश नहीं आया है, जिससे पालिका को कब्जा हटाने से रोका गया हो। इसीलिए तीन दिन पहले नगरपालिका ने कार्यालय के गेट पर नोटिस चस्पा किया था और 10 जून तक कार्यालय खाली करने को कहा था। लेकिन कार्यालय खाली नहीं किया गया।वहीं, सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह का कहना है कि पालिका प्रशासन सत्ता के दबाव में काम कर रहा है। रविवार तक उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला था। रविवार रात 8:30 बजे कार्यालय के बाहर 6 जून का नोटिस चस्पा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि जबरन कार्यालय खाली कराया गया तो वे विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इसी भवन में कार्यालय संचालित हो रहा है। वे नियमित रूप से किराया दे रहे हैं और साफ-सफाई भी करवा रहे हैं। भवन का मामला सिविल कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। ऐसे में जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता, तब तक कार्यालय को खाली नहीं करवाया जाना चाहिए।

11 साल, देश बेहालः कांग्रेस नेता राघवेंद्र नारायण

सोनभद्र।एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर तंज कसते हुए कहा कि 'अच्छे दिन अभी तक नहीं आए, लेकिन अब वे आने वाले हैं, क्योंकि भाजपा जाने वाली है।' उन्होंने कटाक्ष किया कि भाजपा जानती है कि अच्छे दिन तभी आएंगे जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, इसलिए भाजपाई हमेशा कहते हैं कि 'अच्छे दिन आने वाले हैं,' लेकिन कभी नहीं कहते कि अच्छे दिन आ गए हैं।'राघवेंद्र नारायण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 140 करोड़ देशवासियों ने अपने आप को ठगा और छला हुआ महशूस किया।महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, लूट, नफरत, हिंसा, महिलाओं के खिलाफ अपराध, ट्रेन दुर्घटनाएं, सीमा असुरक्षा, कोविड-19 जैसी महामारी और नोटबंदी जैसे संकटों का सामना किया। उन्होंने इसे महामहंगाई का काल, महाबेरोजगारी का काल, महाभ्रष्टाचार का काल, महालूट का काल, महानफरत का काल, महाहिंसा का काल, बहन-बेटियों के महारेप काल, ट्रेन दुर्घटनाओं का काल, देश की सीमाओं की असुरक्षा का काल और नोटबंदी के नाम पर लोगों की हत्या का काल' करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह सब देश की जनता के लिए महासंकट का काल है, लेकिन भाजपा सरकार इसे 'अमृत काल' मानती है।उन्होंने भाजपा के साथियों से सवाल उठाते हुए कहा, 'सांसदों द्वारा गोद लिए गए गांव क्या हमेशा गोद में ही रहेंगे या कभी धरातल पर उतरेंगे?स्मार्ट सिटी बनाने का सपना पूरा करने के लिए इन्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा लेकिन स्मार्ट गांव बनाने की शुरुआत तो अभी से कर दें, तो देश का कल्याण हो सकता है। उन्होंने काला धन वापस लाने में नाकामी पर चुटकी लेते हुए कहा, 'काला धन नहीं ला सके तो कोई बात नहीं, काले मन को ही मिटा दें, ताकि जनता को नफ़रत भरे माहौल से कुछ राहत मिल सके।राघवेंद्र नारायण ने पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, सोना और डॉलर को आज की तारीख में सरकार से ज्यादा मज़बूत बताया और कहा कि सरकार का इनपर कोई कंट्रोल नहीं रह गया है। उन्होंने साइबर ठगी पर भी सवाल उठाया, जिसमें देश भर में 6,000 से अधिक लोगों से करोड़ों रुपये ठगे जा रहे हैं और बूढ़ा 'चौकीदार' इसे रोकपाने में नाकाम है।राघवेंद्र नारायण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 11 साल के कार्यकाल के बाद देश की मीडिया के सामने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 'पाप खुद करें और सफाई दूसरा दे' जैसे अभियानों से अब भला होने वाला नहीं देश की जनता सब कुछ जान चुकी है।

पर्यटन से समाज तक विकास में उत्तर प्रदेश एजुकेशनल मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स एसोसिएशन की अहम भूमिकाःराम शकल

तीन दिवसी अधिवेशन में विंध्याचल मंडल के सम्मिलित हुए लिपिकीय संवर्ग

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार को तीन दिवसी उप एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स संगठन की 51वा क्रांति 1 वर्षीय अधिवेशन का आयोजन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम सकल एवं मिर्जापुर मंडल अध्यक्ष कमलेश सिंह यादव व सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा प्रदीप प्रचलित कर कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ। वही मौजूद कार्यक्रम में अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों का राजा शारदा इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजेश सिंह द्वारा माल अर्पण अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया गया।वही मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राम सकल के विंध्याचल मंडल मिर्जापुर के विभिन्न जनपदों से आए अध्यापक व अन्य साथियों का अभिवादन करते हुए बताया कि आज विद्यालय प्रांगण में जो कार्यक्रम आयोजित किया गया है उसे कार्यक्रम के नेतृत्व करता हुआ पूरे टीम को हृदय से बधाई देते हुए तीन दिवसीय गोष्ठी सभा के माध्यम से बताया शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जो हर धर्म हर जात मजहब के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक मजबूत पेड़ के रूप में छायादार बनाने के लिए शिक्षक की अहम भूमिका होती है पर्यटन से लेकर शिक्षित समाज तक शिक्षकों के मार्गदर्शन पर एक समाज की उन्नति होती है जिससे समाज में विभिन्न प्रकार के गतिविधियां प्राप्त होने से सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विभिन्न दायित्वों का निर्वहन आमजन कर पाते हैं शिक्षकों के इस अहम योगदान का कभी भी छात्र रीढ़ नहीं उतार सकते हम बता दें कि सोनभद्र के इतिहास के सौंदर्य की सुंदरता का विस्तार वर्णन शिक्षक के माध्यम से हर छात्र हर समाज हर घर तक पहुंचाने का काम एकमात्र शिक्षक के शिक्षित समाज से ही संपन्न हो पता है। वहीं उपस्थित विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष मिर्जापुर कमलेश सिंह यादव, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत,रविंद्र दुबे मंडल मंत्री ,राजेश कुमार जनपद सोनभद्र अध्यक्ष, संतोष सिंह मंत्री द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए जनपद सोनभद्र पर्यटन क्षेत्र से मिर्जापुर पर्यटन स्थल उद्योग के विषय में विस्तार पूर्वक मौजूद अतिथियों को बताते हुए उन पर फोकस किया गया अथवा बुकलेट वितरित कर उनका विस्तृत इस संदर्भ में जानकारी दी गई। वहीं विशिष्ट अतिथि अजीत रावत ने बताया कि सोनभद्र का इतिहास कुतूहल है जिसमें सोन इको पॉइंट, गोठांनि शिव मंदिर , कुंडवासनी धाम, अमिला भवानी धाम, पंचमुखी महादेव मंदिर, गुप्तकाशी शिवद्वार मंदिर, मुक्काफल ,ज्शक्तिपीठ शक्तिपीठ, रिहंद जलाशय बांध, सलखन जीवाश्म पार्क, खत्ता पिकनिक स्पॉट, धधरौल बांध सहित अन्य कई स्थल पर्यटन से जुड़े हैं जहां सैलानियों के माध्यम से जनपद का नाम मंडल व प्रदेश देश में पहुंचने का काम कर रहा है। यह हम सभी जनपद वासियों के लिए गौरव का विषय है। इस मौके पर अप एजुकेशनल मिनिस्टर अप एजुकेशन मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विवेक यादव श्रीवास्तव प्रांतीय महामंत्री राजेश चंद्र श्रीवास्तव एवं सभी जनपदों के मंडली अध्यक्ष मंडली सचिव एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य गण उपस्थित रहे इस अधिवेशन के संयोजक कमलेश सिंह यादव मंडली अध्यक्ष विंध्याचल मंडल सहसंयोजक राजेश कुमार संतोष कुमार सिंह विद्यालय के प्राधिकृत नियंत्रक ऋषिकेश पाठक प्रधानाचार्य डॉक्टर बृजेश सिंह प्रधानाचार्य संतोष मौर्य सुनील कुमार राव अनिल कुमार पासवान अतुल श्रीवास्तव अमर सिंह संदीप कुमार चौधरी हुआ है

थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट मे शातिर गैगेस्टर अभियुक्त की चल सम्पत्ति को किया गया जब्त

सोनभद्र। अपराध से अर्जित धन से क्रय की गयी एक अदद जे0सी0बी0 कीमती लगभग 25 लाख रुपये की चल सम्पत्ति की गयी कुर्क। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में गैंगेस्टर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे आज दिनांक 10.06.2025 को थानाध्यक्ष रामपुर बरकोनिया द्वारा थाना पन्नूगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-154 /2024 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधि0 1986 से सम्बन्धित अभियुक्त/ शातिर ठग राजकरन चौहान पुत्र स्व0 चन्द्रिका चौहान निवासी ग्राम विक्रमपुर थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र के विरुद्ध उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) की कार्रवाई करते हुए अभियुक्त ने अपराध करके धन से अर्जित की गयी एक अदद जे0सी0बी जिसकी कुल अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये) को श्रीमान जिलाधिकारी जनपद सोनभद्र द्वारा पारित आदेश के अनुपालन मे उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) नियमानुसार कुर्क किया गया। कुर्क/ जब्तीकरण वाहन का विवरण- 1.जे0सी0बी0 संख्या यूपी-64-टी-5040 की कीमती लगभग 2500,000/-

अभियुक्त का अपराधिक इतिहास- 1.मु0अ0सं0 321 / 2015 धारा 386 भादवि0 थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 2.मु0अ0सं0 377/ 2015 धारा 3(1) गैगेस्टर एक्ट थाना चोपन जनपद सोनभद्र।3.मु0अ0सं0 94 / 2020 धारा 406 भादवि0 थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र।4.मु0अ0सं0 642 / 2014 धारा 420, 406, 506 भादवि थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 5.मु0अ0सं0 14 / 2015 धारा 420, 406, 506 भादवि थाना आशियाना, जनपद लखनऊ ।

6.मु0अ0सं0 176/2023 धारा 406, 419, 420 भादवि थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 7.मु0अ0सं0 112/2024 धारा 316(2), 318(4), 352, 351(2) बीएनएस, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 8.मु0अ0सं0 113/2024 धारा 406, 420, 504, 506 भादवि, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र।

9.मु0अ0सं0 154 / 2024 धारा 3(1) गैगेस्टर एक्ट, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र।10.धारा-138 एनआईँू थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र (मा0 न्यायालय जे0एम0 सोनभद्र के यहाँ विचाराधीन है।) जब्तीकरण की कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. कमल नयन दूबे थानाध्यक्ष थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 2.हे0का0 नरेन्द्र सिंह यादव थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 3.का0 दीपक मिश्रा थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र।

साइबर अपराध के फ्रॉड के पैसे कराये वापस

सोनभद्र। साइबर अपराध के जरिये आवेदक से धोखाधड़ी की गयी धनराशि कुल 28248/- रुपये को थाना चोपन की साइबर टीम ने आवेदक के मूल खाते मे कराया वापस। आवेदक चन्द्र प्रकाश सोनी पुत्र बजरंगी सोनी निवासी ग्राम पटवध पोस्ट चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्तियो द्वारा आनलाईन जॉब का प्रलोभन देकर 28248/- रुपये की धनराशि ठगी कर ली गयी जिसके सम्बन्ध में आवेदक की लिखित तहरीर पर थाना चोपन पर मु0अ0सं0- 70/2025 धारा 66डी आईटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। साइबर अपराध एंव अपराधियों के नियन्त्रण हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एवं क्षेत्राधिकारी नगर के दिशा-निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा विवेचना के क्रम में एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक की फ्राड हुई धनराशि को फ्राड खाते मे होल्ड कराया गया तथा एनसीआरपी पोर्टल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके संबन्धित बैंक शाखा को जरिये ईमेल पत्राचार करके आवेदक की फ्राड हुई कुल धनराशि 28248/- रुपये उसके मूल बैंक खाते में आज दिनांक-10.06.2025 को सफलतापूर्वक वापस कराया गया । अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है । आवेदक द्वारा थाना चोपन की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। धनराशि वापस कराने वाली टीमः- 1.श्री विजय कुमार चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन सोनभद्र, 2.का0 सुनील कुमार, साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन सोनभद्र, नोटः - साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

नाबालिग युवती से दुष्कर्म करने के प्रयास में वांछित एक नफर अभियुक्त को थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

सोनभद्र। प्रकरण- अवगत कराना है कि दिनांक 09.06.2026 को वादिनी निवासिनी थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र ने थाना रामपुर बरकोनिया पर लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि दिनांक 07.06.2025 को समय करीब-01.30 बजे मेरी बहन की पुत्री उम्र करीब 13 वर्ष के साथ गोविन्द पुत्र राजबली हरिजन निवासी गिरिया थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र द्वारा दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया । जिसके सम्बंध में थाना रामपुर बरकोनिया पर मु0अ0सं0-46/25 धारा 65(1)/62, 76ँच व 4(2)/18ँ 7/8 पॉक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में एवं थानाध्यक्ष थाना रामपुर बरकोनिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने उपरोक्त मुकदमें से संबधित वांछित अभियुक्त गोविन्द पुत्र राजबली हरिजन निवासी गिरिया थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र को दिनांक-10.06.2025 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम-पता- 1.गोविन्द पुत्र राजबली हरिजन निवासी गिरिया थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र उम्र करीब 26 वर्ष। पूछताछ विवरण अभियुक्त- गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया गया कि मेरे चाची की बहन की लड़की उम्र करीब 13 वर्ष जो मेरे चाची के घर पर रहती है दिनांक-07.06.2025 की रात में लगभग 01.30 बजे मैने उसे खाना माँगने के बहाने उसके पास गया और उसका हाथ पकड़कर एक हाथ से मुहँ दबाकर आंगन से होते हुये घर के पीछे उड़द की खेत में ले जाकर उसके साथ गलत काम करने का प्रयास कर रहा था लेकिन उसकी आवाज सुनकर मेरी चाची आ गयी तब मै वहाँ से भाग गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1.थानध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 2.उ0नि0 सुक्खु राम यादव थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 3.हे0का0 विक्रम प्रताप सिंह थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र। 4-हे0का0 संजय प्रताप सिंह थाना रामपुर बरकोनिया सोनभद्र।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई किशोरी की मौत, सदर कोतवाली क्षेत्र के उरमोरा का मामला

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के उरमोरा में सोमवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में 19 वर्षीय किशोरी की हुई मौत।जानकारी के अनुसार हृषिता चौहान उम्र 19 वर्षीय पिता राम कृत निवासी उरमोरा सोमवार शाम अचानक तबीयत खराब हो गई परिजनों को यह सूचित हुआ तब जाकर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया उधर जिला अस्पताल चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मंगलवार को प्राप्त हुई है हालांकि पीड़ित परिजनों द्वारा किसी प्रकार से कोई तारीफ अभी प्राप्त नहीं हुआ है जहरीले पदार्थ के सेवन से किशोरी की मौत हुई है एप्लीकेशन मिलते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कोन कचनरवा विंढमगंज संपर्क मार्ग को लेकर सपाइयों का प्रदर्शन

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी छत्तीसगढ़ के लोगों का भी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि जनपद सोनभद्र के विकासखंड चोपन व कोन के अंतर्गत संपर्क मार्ग तेलगुडवा से कोन व कोन कचनरवा होते हुए विंढमगंज तक संपर्क मार्ग जर्जर अवस्था में है जबकि इस मार्ग से दोनों विकासखंड के अलावा बिहार झारखंड व आवागमन होता है । इसके साथ ही स्कूल वाहनों व आम राहगीरों को भी प्रतिदिन आना जाना रहता है क्योंकि जर्जर अवस्था में होने के कारण उक्त संपर्क मार्ग पर दुर्घटनाएं भी हो चुकी है । इस प्रकरण को लेकर व्यापारियों व आमजन के द्वारा विभागीय अधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया गया परंतु कोई भी कार्रवाई आज तक नहीं की गई इसलिए उक्त संपर्क मार्ग का निर्माण यथाशीघ्र नहीं हुआ तो आगामी वर्षा ऋतु में राहगीरों का आना-जाना भी दुभर हो जाएगा। इसलिए समाजवादी पार्टी जर्जर संपर्क मार्ग का यथाशीघ्र निर्माण कार्य करने की मांग करती है। यदि उक्त संपर्क मार्ग का निर्माण नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी जनपद सोनभद्र शांति पूर्वक विशाल धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत अनिल कुमार यादव विधानसभा रावटसगंज अध्यक्ष विजय शंकर जायसवाल जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह यादव अनिल प्रधान मंगल जायसवाल संतोष पासवान पारसनाथ यादव अखिलेश यादव गोपाल लक्ष्मी नारायण दीपू शर्मा चंदन शर्मा के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेष्ठ माह के आखिरी बड़े मंगलवार को संकट मोचन मंदिर पर रही भक्तों की भारी भीड़, हनुमान जी का सजा दिव्य दरबार, भक्तों में किया गया प्रसाद का वितरण

सोनभद्र। जेष्ठ माह के पांचवे व आखिरी बड़े मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित श्री राम जानकी संकट मोचन मंदिर पर भक्तों का सुबह से ही तांता लगा रहा। हाथों में फूल माला व प्रसाद लिए भक्त दर्शन करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस अवसर पर पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा संकट मोचन हनुमान जी का भव्य व दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात मंगला आरती हुई और भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया।वही मंदिर परिसर में सुंदरकांड का पाठ भी किया गया।इस अवसर पर प्रधान पूजारी राजकुमार पांडे ने बताया कि नगर के मध्य होने के कारण इस मंदिर में चारों तरफ से भक्त दर्शन पूजन के लिए आते है खास कर शनिवार व मंगलवार को भक्तों की काफी भीड़ हो जाती है। यहां दर्शन पूजन करने से हनुमान जी भक्तों की सारी मनोकामनाओं को पूर्ण कर देते हैं।उन्होंने आगे बड़े मंगलवार की महत्वता के बारे में बताया कि हिंदू धर्म में ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार का विशेष महत्व है। इस दिन हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना और व्रत करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है।इस अवसर पर मुख्य रूप से मंदिर के व्यवस्थापक डूंगरमल, अग्रवाल, सचिन जयसवाल, गया प्रसाद, संतोष कुमार सिंह, दिनेश शुक्ला, सतेंद्र पाठक, संतोष चौबे, आत्माराम पांडे, दादे चौबे, अभिषेक पांडे, शिवा पांडे, देवानंद सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जेठ मास के अंतिम मंगलवार को संपन्न हुआ संगीत में सुंदरकांड का पाठ

सोनभद्र। बाबा गया सर्वप्रथम मुख्य यजमान श्री ललित श्रीवास्तव सब्जी मंडी में हनुमान जी का पूजन अर्चन किया और सुंदरकांड का पाठ का संकल्प लिया आचार्य पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी ने कार्यक्रम संपन्न कराया रात्रि 8:00 बजे आरती संपन्न हुई इसमें मुख्य रूप से हरसेंद्र सिंह छोटे राजा चंद्रत्पुर राज परिवार, श्रीमती ममता सिंह, रामराज गिरी, सुनील सिंह, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजू दीक्षित, आशीष सविता, राम प्रकाश, अभय दीक्षित, मोहित वर्मा, बंटी गुप्ता, श्रीमती किरण, मंटू शुक्ला की उपस्थिति उल्लेखनी रही.

जगमोहनेश्वर धाम चंद्रत्पुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित सर्वग्रह दोष विनाशक हनुमान जी के दरबार में शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक संगीत में सुंदरकांड का पाठ श्री सचिन शुक्ला हनुमत भक्त मंडल के द्वारा प्रस्तुत किया

समर कैंप में बच्चों को किया गया पुरस्कृत

सोनभद्र। बच्चों के मस्तियों के संग समर कैम्प का समापन उच्च प्राथमिक विद्यालय बिसरेखी घोरावल सोनभद्र मे छात्रों ने समग्र विकास गतिविधियों और उनके नए सीख के अनुभव, खेल कूद, योग, एवं पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों आनंद लिया और बड़े ही मस्ती और उत्साह के साथ अपने अनुभव भी साझा किये उपस्थित अभिभाकों ने भी अपने विचार दिए और समर कैंप की सराहना भी किये। बच्चों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया और सभी बच्चों को पेन व कॉपी देकर प्रोत्साहित भी किया गया।इस मौके पर प्रधानाध्यापिका कौशर जहाँ सिद्दीकी द्वारा बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित व जागरूक भी किया गया व नोडल शिक्षक हरिशंकर और रीता सिंह के द्वारा सफल व कुशल समर कैंप संचालन के लिए सभी के द्वारा सराहा गया।समर कैंप समापन मे एसएमसी अध्यक्ष अभिभावक उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से जुड़े हज़ारों किसान

सोनभद्र। जिले के रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक में अवस्थित ग्राम मारवुंडी, केवटा एवं महुवाव कला में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ इन्दीवर प्रसाद, डॉ सूजन मजूमदार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ संजीव राव, डॉ अवधेश यादव, भूमि संरक्षण अधिकारी मनीष पॉल, ग्राम प्रधान उधम सिंह यादव, तकनीकी सहायक अजय, अनिल एवं इंद्रेश तिवारी ने बड़ी संख्या में एकत्रित किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि योजनाओं एवं नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी दी। किसानों से संवाद के दौरान किसानों द्वारा सिंचाई की सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव जैसी समस्याओं का जिक्र किया गया। इस अवसर पर किसानों के खेत मे पशुओं की बीमारी, फसलों की नवीन किस्मों, फसल बीमा, भूमि संरक्षण, खेत तालाब की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में 300 से ज्यादा महिला एवं पुरुष कृषक उपस्थित थे।

घुटने टूट गए थे, व्हीलचेयर पर रहने को था मजबूर, फिर बिखरे निकोलस पूरन के लिए 'भगवान' बने कायरन पोलार्ड

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के

खिलाड़ी निकोलस पूरन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सबको चौंका दिया है। टी20आई के पूर्व कप्तान हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते हुए दिखाई दिए थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण संदेश के साथ अपने फैसले के बारे में बताया। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में, पूरन ने 61 टी20आई और 106 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने दोनों फॉर्मेट में 4000 से अधिक रन बनाए हैं। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा इंस्टाग्राम पर की।निकोलस पूरन के जीवन में एक समय ऐसा आया था जब सब कुछ मुश्किल लग रहा था। 20 साल की उम्र में एक सड़क दुर्घटना ने उन्हें हिला कर रख दिया था। छह महीने तक वह चल नहीं पाए थे। उनका भविष्य अनिश्चित था। तभी कायरन पोलार्ड एक फरिश्ते की तरह उनकी जिंदगी में आए। उन्होंने पूरन को हौसला दिया। आज पूरन दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं। पोलार्ड पहले ही घुटने की चोट से जूझ चुके थे, जिसके कारण उन्हें 2013 से 2014 तक छह महीने तक बाहर बैठना पड़ा था। अपने अनुभव के साथ, पोलार्ड ने पूरन के लिए रिहैब मेंटर के रूप में काम किया।पूरन, पोलार्ड को अपना बड़ा भाई मानते हैं। उन्होंने कहा, 'वह मेरे लिए बड़े भाई और पिता की तरह हैं। जब से मैंने क्रिकेट में वापसी की है, वह मेरे साथ हैं। उन्होंने मुझे मौका दिया। मैं उनका आभारी हूं।' पूरन और पोलार्ड मैदान पर भी अच्छे दोस्त हैं। वे एक-दूसरे को समझते हैं। पूरन ने कहा, 'हम एक-दूसरे को जानते हैं और मैदान के बाहर भी अच्छे दोस्त हैं। इसलिए हम बल्लेबाजी करते समय एक-दूसरे को समझते हैं।'निकोलस पूरन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बहुत सोचने और विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। क्रिकेट प्रेमियों के लिए, बहुत सोचने और विचार करने के बाद, मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। इस खेल ने हमें बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा - खुशी, उद्देश्य, अविस्मरणीय यादें, और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का मौका।'पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए खेलने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'मरून जर्सी पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना, और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि इसका मेरे लिए वास्तव में क्या मतलब है। टीम का कप्तान बनना एक ऐसा सौभाग्य है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।'

कौन है आरसीबी की टीम का असली मालिक? विजय माल्या के बाद इनके हाथ में है विराट कोहली की टीम की चाबी

नयी दिल्ली। आईपीएल

2025 में आरसीबी की टीम ने खिताब अपने नाम किया। 18 साल के इंतजार के बाद आरसीबी की टीम ने आईपीएल ट्रॉफी को अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद आरसीबी के मालिक कौन हैं, इसे लेकर लोगों में उत्सुकता था। कभी विजय माल्या ने इस टीम को अपने हाथों से बनाया था। लेकिन अब टीम का मालिकाना हक और नेतृत्व बदल गया है। फिलहाल, यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड आरसीबी की मालिक है। यूएसएल, ब्रिटिश कंपनी डियाजियो की सहायक कंपनी है। इसका मतलब है कि आरसीबी का प्रबंधन यूएसएल करती है, लेकिन असली नियंत्रण डियाजियो के पास है।आरसीबी की शुरुआत विजय माल्या ने की थी। उस समय वह यूनाइटेड स्पिरिट्स के मालिक थे। उन्होंने 476 करोड़ रुपये में आरसीबी को खरीदा था। उस समय आरसीबी दूसरी सबसे महंगी टीम थी। मालिक होने के नाते, माल्या के यूबी ग्रुप ने आरसीबी को खूब स्पॉन्सर किया। रॉयल चैलेंज और मैकडॉवेल्स नंबर 1 जैसे ब्रांड आरसीबी के साथ जुड़े थे। टीम का नाम 'रॉयल चैलेंजर्स' भी रॉयल चैलेंज व्हिस्की ब्रांड से लिया गया था। किंगफिशर भी स्पॉन्सर के तौर पर टीम से जुड़ी थी।2016 में कानूनी मुश्किलों के चलते माल्या ने यूएसएल छोड़ दी। इसके बाद आरसीबी का पूरा नियंत्रण यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के पास चला गया। डियाजियो अब यूएसएल की मालिक है। रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड आरसीबी का संचालन करती है।

इसके चेयरमैन प्रथनेश मिश्रा हैं। वह डियाजियो इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर भी हैं।इस कॉर्पोरेट समर्थन से आरसीबी को वित्तीय स्थिरता मिली है। इससे टीम आईपीएल की सबसे मूल्यवान फ्रेंचाइजी में से एक बनी हुई है। यूनाइटेड स्पिरिट्स के पास रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की महिला टीम भी है। इस टीम ने हाल ही में डब्लूपीएल का खिताब जीता है।

बेंगलुरु भगदड़ पर राहुल द्रविड़ का पहली बार बयान, आरसीबी के जश्न में 11 लोगों की हुई थी मौत

नयी दिल्ली।राहुल द्रविड़ ने

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीतने की खुशी में बेंगलुरु में हुए हादसे पर दुख जताया, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। द्रविड़ ने शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए इसे और भी दुखद बताया।महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में बेंगलुरू में 11 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया। यह हादसा बुधवार को हुआ जब बेंगलुरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास अपने पसंदीदा क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिए ढाई लाख लोग जमा हुए थे। इससे मची भगदड़ में 11 लोग मारे गए और 56 घायल हो गए। भारत के पूर्व कोच और कप्तान द्रविड़ ने कहा, 'यह काफी निराशाजनक है। बहुत दुखद। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ है।' आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कोच द्रविड़ ने कहा कि शहर की खेल संस्कृति को देखते हुए यह घटना और भी दर्दनाक है। उन्होंने कहा, 'यह खेलों का शौकीन शहर है। मैं इसी शहर से हूं। लोग क्रिकेट की नहीं , हर खेल को पसंद करते हैं और टीमों को फॉलो करते हैं। फुटबॉल टीम को या कबड्डी टीम।'विराट कोहली की टीम के जश्न के दौरान हुई दुखद घटना के बारे में बोलते हुए द्रविड़ ने कहा, 'आरसीबी के प्रशंसक बहुत बड़ी संख्या में हैं। यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों के प्रति हमारी संवेदना है।' हादसे के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ईएस जयराम ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था।वहीं आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख निखिल सोसले को छह जून को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरी ओर, आज खबर आई कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बिकने को तैयार है। उसकी वैल्यू 17 हजार करोड़ रुपये के आसपास तक पहुंचने की उम्मीद है।

अगर आरसीबी बिकी तो ये 5 कंपनियां खरीदने के लिए लगा सकती हैं जोर, दो की डब्लूपीएल में टीम भी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। अब खबर है कि फ्रेंचाइजी बिकने वाली है। यूनाइटेड स्पिरिट्स का पास अभी फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अगर आरसीबी को बिकती है तो इसे कौन खरीद सकता है? हम आपको 5 ऐसी कंपनियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बिकने पर आरसीबी को खरीदने की पूरी कोशिश करेगी।अडानी ग्रुप की महिला प्रीमियर लीग में टीम है। इसके अलावा यूएई की आईएलटी20 में भी गल्फ जायंट्स अडानी ग्रुप की ही टीम है। इसके अलावा कबड्डी, बॉक्सिंग और खो खो लीग में भी इस ग्रुप की टीम है। ऐसे में अगर आरसीबी बिकती है तो अडानी ग्रुप जरूर खरीदने की कोशिश कर सकती है। 2022 में आईपीएल में दो नई फ्रेंचाइजी अहमदाबाद और लखनऊ की एंट्री हुई थी। कोटक ने तब उनके लिए बिडिंग की थी लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अब जब आरसीबी जैसी सफल टीम बिकेगी तो वह जरूरत खरीदना चाहेंगे।आनंद महिन्द्रा इस कंपनी के चेयरमैन हैं। उन्हें क्रिकेट में काफी रुचि है। वह आईपीएल के दौरान लगातार ट्वीट करते हैं। वह अच्छा खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों को गाड़ी गिफ्ट करते रहते हैं। इस ग्रुप की कोई स्पोर्ट्स टीम तो नहीं है लेकिन अगर आरसीबी बिकती है तो महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड भी खरीद सकती है।महिला आईपीएल में यूपी वॉरियर्स का मालिकाना हक कैपरी ग्लोबल के पास ही है। यह नॉन बैंकिंग फाइनेंसियल कंपनी है। इसने भी पिछली बार गुजरात और लखनऊ की फ्रेंचाइजी को खरीदने की कोशिश की थी।

तेज गेंदबाज रहे हावी या बल्लेबाज करेंगे कमाल, टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में कैसी होगी लॉर्ड्स की पिच?

नयी दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड

टेस्ट चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच है। लॉर्ड्स के मैदान पर यह मुकाबला 11 जून से खेला जाएगा। 2025-25 साइकल में साउथ अफ्रीका की टीम टेबल में टॉप पर रही। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में एंट्री मारी। पैट कमिंस की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है तो दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल खेलेगी।इंग्लैंड में पिच और परिस्थिति हमेशा तेज गेंदबाजों को मदद देने वाली होती है। गेंद सीम और स्विंग होती है। यही वजह है कि बल्लेबाज कभी भी रिलैक्स नहीं कर सकते। लॉर्ड्स में भी स्थिति कुछ ऐसी ही हो सकती है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को यहां अतिरिक्त मदद मिलती है। हालांकि अगर बल्लेबाज जल्दीबाजी नहीं करते हैं और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को संभलकर खेलते हैं तो बड़ा स्कोर भी बना सकते हैं। पहली पारी में 400 रनों तक पहुंचने वाली टीम को हराना मुश्किल होगा।मैच के पहले दिन लंदन में मौसम सुहाना रहने की उम्मीद है। तापमान अधिकतम 24 डिग्री तक पहुंच सकता है। बीच बीच में बादल भी आ सकते हैं। मैच के तीसरे दिन बारिश की संभावना है। दिन में करीबी 30 प्रतिशत संभावना बताई गई है जबकि रात में यह बढ़कर 55 प्रतिशत हो जाएगी। इंग्लैंड में मौसम ऐसा ही होता है। बार-बार बारिश आती रहती है और इसकी वजह से खेल रोकना पड़ता है।ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक के रिकॉर्ड को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया ने 101 मुकाबलों में 54 जीते हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम अब तक 26 मैच जीत सकी है। दोनों देशों के बीच अब तक 21 मुकाबले ड्रॉ रहे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल को देखें, तो साउथ अफ्रीका 12 में से 8 मैच जीतकर शीर्ष पर रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 19 में से 13 मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

किसने बनाया ये मुजस्समा... वसीम अकरम का ऐसा पुतला कि लोग नहीं रोक पाए हंसी, सोशल मीडिया पर बुरा हाल

हैदराबाद। हैदराबाद में

पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम का आदमकद स्टैच्यू बनाकर उन्हें सम्मानित किया गया। लेकिन उनके इस स्टैच्यू को देख फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ाया। कथित तौर पर अप्रैल में अनावरण की गई यह प्रतिमा रातोंरात लोकप्रिय हो गई, जब एक्स पर एक मीम पेज ने इसकी एक तस्वीर साझा की। इस फोटो पर यूजर्स ने तरह-तरह के रिएक्शन दिए हैं।नियाज स्टेडियम के बाहर आदमकद प्रतिमा में अकरम 1999 विश्व कप की पाकिस्तान की जर्सी में थे। इसमें उन्हें अपने प्रसिद्ध स्लिंगी एक्शन के साथ गेंदबाजी करते हुए दिखाया गया था। हालांकि निर्माता ने आयामों और उनके शरीर की संरचना को सही बनाने में अच्छा काम किया, लेकिन उनका चेहरा काफी अलग दिख रहा था। उनके बालों ने भी पूर्व कप्तान को काफी बूढ़ा बना दिया। प्रतिक्रिया उस समय से बहुत अलग नहीं है जब मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में महान सचिन तेंदुलकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया था, जिन्हें देखकर प्रशंसकों को लगा कि वे ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ से ज्यादा मिलते-जुलते हैं।वसीम अकरम ने 1984 से 2003 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने 104 टेस्ट मैच और 356 वनडे में हिस्सा लिया। टेस्ट में उन्होंने 23.62 की औसत से 414 विकेट लिए, जबकि वनडे में उन्होंने 23.52 की औसत से 502 विकेट लिए, जिससे वे 500 वनडे विकेट हासिल करने वाले पहले गेंदबाज बन गए।बल्ले से भी उन्होंने सभी फॉर्मेट में 6,000 से अधिक रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर नाबाद 257 रन रहा। अकरम पाकिस्तान की 1992 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे और उन्होंने कुल मिलाकर चार विश्व कप में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 25 टेस्ट और 109 एकदिवसीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की। आईपीएल में कोच के रूप में, घरेलू टीमों के लिए और कुछ समय के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय पाकिस्तानी टीम के लिए भी काम करने के बाद, वह वर्तमान में दुनिया भर में कमेंट्री और प्रसारण करते हैं।

कभी आईपीएल टीम के मालिक थे, अब कॉपीराइट पर बुरे फंसे सिद्धार्थ माल्या, वीडियो में रोया दुखड़ा

नयी दिल्ली। एक वक्त था जब

विजय माल्या और सिद्धार्थ माल्या की एक झलक पाने को लोग बेकरार रहते थे। कैमरामैन की लंबी कतार होती थी और लैविश लाइफ ऐसी कि आंखें चौंधिया जाएं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में स्टार क्रिकेटरों की भरमार थी, लेकिन पार्टियों की जान ये दोनों पिता-पुत्र हुआ करते थे। यह भी एक समय है कि पिता विजय माल्या फरारी काट रहा और दूसरी ओर, सिद्धार्थ माल्या की लाइफ के वो दिन अब गुजर चुके हैं। कभी आईपीएल टीम के मालिक रहने वाले सिद्धार्थ माल्या अब एक कॉपीराइट के मामले को लेकर भड़के हुए हैं। भगोड़े और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व मालिक विजय माल्या के बेटे सिद्धार्थ माल्या ने दावा किया है कि आईपीएल ने उनके टीम के खिताब जीतने का जश्न मनाते हुए भावनात्मक वीडियो को इंस्टाग्राम से हटवा दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने ठीक एक हफ्ता पहले 3 जून को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीता था, जिसके बाद पूरी क्रिकेटिंग दुनिया इस फ्रेंचाइजी की तारीफों के पुल बांध रही थी। आरसीबी की खिताबी जीत के बाद, माल्या ने टीम की जीत का जश्न मनाते हुए अपना एक भावनात्मक वीडियो साझा किया था।इस वीडियो में एक टीवी स्क्रीन भी दिखाई दे रही थी जिसमें प्रसारण से 'कॉपीराइट सामग्री' देखी जा सकती थी। उसने अब हटाए गए वीडियो में आंसू पोंछते हुए और भावनाओं को रोके रखते हुए कहा था- अठारह लंबे, लंबे साल मुझे यह भी नहीं पता कि क्या कहूं। हालांकि, इंस्टाग्राम ने कॉपीराइट उल्लंघन की शिकायत के कारण इस वीडियो को हटा दिया। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में सिद्धार्थ ने खुलासा किया कि कॉपीराइट उल्लंघन के मुद्दे के कारण उन्हें इंस्टाग्राम पर कुछ भी पोस्ट करने से रोक दिया गया था, लेकिन सोमवार को उसने अपनी कहानी साझा करने का फैसला किया।जूनियर माल्या ने यह भी दावा किया कि उसने गहराई से पता लगाया और पाया कि आईपीएल अधिकारियों ने ही इंस्टाग्राम से उनका वीडियो हटाने के लिए कहा था। उसने वीडियो में कहा- किसी कारण से इंस्टाग्राम ने वीडियो को हटाने का फैसला किया और मुझे ऐप पर बातचीत करने से रोक दिया। उसने आगे कहा- कल प्रतिबंध हटा दिया गया। यह पता चला कि जब मैंने इसकी तह तक गया तो वीडियो को इसलिए हटाया गया क्योंकि आईपीएल ने शिकायत की और कहा कि मैंने उनकी कॉपीराइट नीति का उल्लंघन किया है, जो मेरे लिए बिल्कुल पागलपन है।उसने आगे कहा- वीडियो एक मिनट से भी कम लंबा था, और यह मेरे और मेरी भावनाओं के बारे में था। यह पागलपन है कि उन्होंने प्रशंसकों के साथ जश्न मनाने और बातचीत करने का मेरा अवसर छीन लिया। मैं इससे परेशान हूं, और आईपीएल की ओर से यह दुखद है। ऐसा ही जीवन है। आरसीबी के खिताब जीतने के बाद माल्या ने फाइनल में पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की जीत का जश्न मनाते हुए अपना एक भावनात्मक वीडियो साझा किया था।

जॉन सीना बनाम रोमन रेंस, कौन से सबसे ज्यादा अमीर, जानें दोनों की नेटवर्थ

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई में सबसे

बेहतरीन कौन है, इस बात पर अक्सर जॉन सीना और रोमन रेंस के बीच तुलना होती है। दोनों ही सुपरस्टार्स को दुनिया भर के लोग बहुत पसंद करते हैं। दोनों ने ही डब्लूडब्लूई को अपना जीवन दिया है। उन्होंने कई यादगार मैच खेले हैं और रिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। लोगों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसके पास ज्यादा पैसा है।सबसे पहले बात करते हैं जॉन सीना की। वह 17 बार डब्लूडब्लूई वर्ल्ड चैंपियन रह चुके हैं। एसेंशियली स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड जैसी वेबसाइटों के अनुसार, 2024 में उनकी संपत्ति लगभग 80 मिलियन डॉलर है। डब्लूडब्लूई से उन्हें हर साल 10 मिलियन डॉलर मिलते हैं। जॉन सीना सिर्फ रेसलिंग ही नहीं करते, बल्कि वे कई सामाजिक कार्यों में भी शामिल रहते हैं। उन्होंने 'मेक-ए-विश फाउंडेशन' के जरिए सबसे ज्यादा बच्चों की इच्छाएं पूरी करने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 650 बच्चों की इच्छाएं पूरी की हैं।अब बात करते हैं रोमन रेंस की। उन्हें 'बिग डॉग' और 'ओरिजिनल ट्राइबल चीफ' के नाम से भी जाना जाता है। स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड के अनुसार, उनकी संपत्ति लगभग 14 मिलियन डॉलर है। डब्लूडब्लूई से उन्हें हर साल लगभग 5 मिलियन डॉलर मिलते हैं। वह कंपनी के सबसे ज्यादा पैसे पाने वाले रेसलर्स में से एक हैं। रोमन रेंस डब्लूडब्लूई के सबसे बड़े इवेंट, रेसलमेनिया में भी हिस्सा लेते हैं। 2021 में उन्होंने सी4 एनर्जी के साथ भी काम करना शुरू किया। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली एनर्जी ड्रिंक कंपनियों में से एक है। रोमन रेंस भी कई सामाजिक कार्यों में शामिल हैं। ल्यूकेमिया से ठीक होने के बाद, वह इस बीमारी से जूझ रहे बच्चों की मदद करते हैं। वह ल्यूकेमिया और लिम्फोमा सोसाइटी के साथ मिलकर काम करते हैं।अगर जॉन सीना और रोमन रेंस की संपत्ति की तुलना करें, तो जॉन सीना काफी आगे हैं। उनकी संपत्ति 80 मिलियन डॉलर है, जबकि रोमन रेंस की संपत्ति 14 मिलियन डॉलर है। इससे पता चलता है कि जॉन सीना इस मामले में रोमन रेंस से काफी आगे हैं।

कार्लोस अल्काराज को आईपीएल जीतने वाली आरसीबी से भी ज्यादा मिले पैसे, फ्रेंच ओपन की प्राइज मनी जानकर हिल जाएंगे!

नयी दिल्ली। पेरिसः दूसरे

वरीय और गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के अल्काराज ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए शीर्ष वरीय सिनर को पांच घंटे 29 मिनट में 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से हराकर इटली के खिलाड़ी के ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में लगातार 20 जीत के अभियान पर विराम लगाया।सिनर ने पिछले साल अमेरिकी ओपन और इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था और उनकी नजरें पेरिस में ग्रैंडस्लैम जीत की हैट्रिक पूरी करने पर थी। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज का यह पांचवां ग्रैंडस्लैम खिताब है जबकि सिनर के नाम तीन ग्रैंडस्लैम खिताब दर्ज हैं।अल्काराज ने अब तक कोई ग्रैंडस्लैम फाइनल नहीं गंवाया है जबकि सिनर को पहली बार ग्रैंडस्लैम के खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।बाइस वर्षीय अल्काराज का इस साल क्ले कोर्ट पर जीत-हार का रिकॉर्ड 22-1 हो गया है। उन्होंने 23 वर्षीय सिनर के खिलाफ लगातार पांचवीं जीत सहित कुल आठवीं जीत दर्ज की। सिनर ने चार बार अल्काराज को हराया है।इस जीत से अल्काराज को • 2.55 मिलियन मिले, जिससे उनकी कुल करियर पुरस्कार राशि बढ़कर 44.7 मिलियन डॉलर हो गई है। वह अब तक की कमाई करने वालों की सूची में पीट सैम्प्रास को पीछे छोड़ते हुए सातवें स्थान पर आ गए हैं। यानिक सिनर, जिन्होंने फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया, उन्हें • 1.35 मिलियन मिले और अब वह करियर कमाई में 41.5 मिलियन डॉलर के साथ सैम्प्रास से ठीक पीछे हैं। 2.55 मिलियन यूरो को अगर भारतीय करेंसी में देखें तो कार्लोस अल्काराज को फ्रेंच ओपन जीतने पर 24 करोड़ 94 लाख रुपये मिले हैं। वहीं सिनर को रनर अप रहने पर 13 करोड़ 20 लाख रुपये मिले हैं।विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद 20 करोड़ रुपये मिले थे। पूरी टीम में इस पैसे को बांटा जाएगा जबकि अल्काराज अकेले ही तकरीबन 25 करोड़ रुपये जीत गए।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुंबई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपना काम को रोकने और बेटी से बात करना का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुंबई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफोर्डेबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझें। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता हैं। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दबाव बना रहे होते हैं,

फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है। एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है।अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और इन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलैंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा लगाए 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोचा लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

संसद का विशेष सत्र बुलाने से ऐतराज क्यों किया जा रहा?

इस सप्ताह 17 दलों के नेताओं

ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जून में संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया। इसके कुछ ही घंटों में सरकार ने 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र की तारीखों की जल्दबाजी में घोषणा कर दी, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि विशेष सत्र की मांग को ठुकरा दिया गया है।आम तौर पर, संसद सत्र की घोषणा सत्र से लगभग 20 दिन पहले की जाती है। लेकिन मानसून सत्र की घोषणा 47 दिन पहले ही कर दी गई है! जब यह लेख लिखा जा रहा था, तब विपक्ष के 250 और सांसद अपने नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे पत्र का समर्थन कर रहे थे। पहलगाम में हुई त्रासदी के तीन दिन बाद कपिल सिब्बल ने सबसे पहले विशेष सत्र की मांग उठाई थी।संविधान के अनुच्छेद 85 (1) में प्रावधान है कि राष्ट्रपति समय-समय पर संसद के दोनों सदनों को ऐसे समय और स्थान पर बैठक के लिए बुलाएंगे, जिसे वे उचित समझें...। विपक्षी दलों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र प्रधानमंत्री को संबोधित है। हां, विशेष सत्र बुलाना सरकार का निर्णय है।जब सांसद विशेष सत्र के लिए कहते हैं, तो संसदीय कार्य मंत्रालय स्थिति का आकलन करने के बाद (और सत्र की आवश्यकता को स्वीकारते हुए) तारीखों और सत्र की अवधि के प्रस्ताव सहित नोट तैयार करता है। इसे संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति के समक्ष रखा जाता है। यदि प्रस्ताव को प्रधानमंत्री अनुमोदित करते हैं तो मंत्रालय इसे राष्ट्रपति को भेजता है, जो औपचारिक रूप से सत्र की तारीखों को मंजूरी देते हैं और घोषणा करते हैं।नियम-पुस्तिका में भले ही विशेष सत्र का कोई उल्लेख न हो, लेकिन इसके कई उदाहरण हैं। 1972 में स्वतंत्रता के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बैठक बुलाई गई थी। 1992 में भारत छोड़ो आंदोलन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद ने मध्यरात्रि सत्र आयोजित किया था। 1997 में स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष सत्र बुलाया गया था। 2014 से अब तक तीन विशेष सत्र बुलाए जा चुके हैं। एक, 1949 में संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 2015 में दो दिवसीय सत्र। दो, 2017 में जीएसटी लागू करने के लिए मध्यरात्रि सत्र। तीन, 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय सत्र। इसी सत्र में महिला आरक्षण विधेयक भी पारित किया गया था। ऐसे कई मौके आए हैं, जब सरकारों ने इस नियमित प्रक्रिया को तोड़ने में कोई तत्परता नहीं दिखाई है। 2006 में मुंबई लोकल धमाकों में 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे। संसद ने प्रतिक्रिया देने से पहले अपने अगले निर्धारित सत्र का इंतजार किया। 2008 के मुंबई हमलों के बाद भी संसद तभी फिर शुरू हुई, जब पहले से निर्धारित सत्र आहुत हुआ। लेकिन संसद को पहलगाम, पुंछ, उरी, राजौरी और उसके बाद की घटनाओं पर तुरंत विचार-विमर्श करना चाहिए। यहां सबसे ठोस मिसाल यह है कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान विपक्ष के तत्कालीन नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने एक विशेष सत्र की मांग की थी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इस अनुरोध पर सहमत हुए और सत्र तब आयोजित किया गया, जब संघर्ष अभी भी जारी था। 165 सदस्यों ने बहस में भाग लिया, युद्ध और सरकार की नीति पर खुली चर्चा हुई। पिछले 15 सालों में ऐसी कई संसदीय बानगियों को नजरअंदाज किया गया है। तीन उदाहरण देखें। एक, लोकसभा में उपसभापति का पद 2019 से खाली है। दो, पहले 10 में से सात विधेयक समितियों को जांच के लिए भेजे जाते थे, अब 10 में से सिर्फ दो विधेयक ही जाते हैं। तीन, कृषि कानून जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने के दौरान विपक्षी सांसदों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के उनके अधिकार से वंचित कर दिया गया। विधायिका को हा?शिए पर रखने की इस प्रवृत्ति का भी एक इतिहास रहा है। 2001 से 2012 तक गुजरात की विधानसभा का ट्रैक रिकॉर्ड देखें। तत्कालीन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य विधानसभा सबसे कम बार बैठी- गुजरात के किसी भी पिछले मुख्यमंत्री से कम। इस अवधि में, गुजरात विधानसभा में बैठकों की औसत संख्या एक साल में 30 से भी कम थी। ऐसे में क्या आश्चर्य कि इस सरकार ने विशेष सत्र बुलाने से पूरी तरह परहेज किया है? मुझे मिडिल स्कूल में अपने नागरिक शास्त्र के शिक्षक की याद आती है। उन्होंने ही सबसे पहले मुझसे कहा था कि सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है और संसद लोगों के प्रति। ऐसे में जब संसद को ही दरकिनार कर दिया जाए तो सरकार किसके प्रति जवाबदेह होगी? 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान विपक्ष के अटल बिहारी वाजपेयी ने विशेष सत्र की मांग की थी। प्रधानमंत्री नेहरू सहमत हुए और सत्र तब आयोजित किया गया, जब संघर्ष अभी भी जारी था। 165 सदस्यों ने खुली चर्चा की। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता चाहत मंगतानी और आयुष्मान डे हैं)

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है।

लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी) ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि कृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने हमलों का भारत द्वारा करारा जवाब देने के बारे में बात की। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को चेताया कि अगर उसने आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं किया, तो भविष्य में भारत की प्रतिक्रिया बहुत तीखी होगी।इस तरह की कवायद से स्वाभाविक ही सरकार को फायदा होता है, क्योंकि पूरा राजनीतिक वर्ग पहलगाम के बाद सरकार की पोजिशन को भारत की पोजिशन मानकर उसका बचाव कर रहा था। यदि सर्वदलीय समूहों ने 33 देशों (और वहां बसे भारतीय प्रवासियों) तक कोई एक शक्तिशाली संदेश पहुंचाया तो वो यह था कि आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

सोने ने चुपचाप कर दिया बड़ा धमाल, 30 साल में पहली बार हुआ ऐसा, डॉलर-यूरो की लगी वाट!

नयी दिल्ली। ग्लोबल रिजर्व में देशों के सेंट्रल बैंक तेजी से अपना गोल्ड की हिस्सेदारी 2025 की दूसरी तिमाही में 23 फीसदी पहुंच गई जो 30 साल में सबसे ज्यादा है। पिछले छह साल में ग्लोबल रिजर्व में गोल्ड की हिस्सेदारी दोगुनी हो चुकी है। चीन, तुर्की, भारत और पोलैंड समेत दुनिया के कई

गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं। चीन के केंद्रीय बैंक ने मई में लगातार सातवें महीने सोने की खरीदारी की। इतना ही नहीं, चीन अपने नागरिकों को भी सोने की होल्डिंग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।साल की दूसरी तिमाही में ग्लोबल रिजर्व में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 10 परसेंटेज पॉइंट घटकर 44 फीसदी रह गई है जो 1993 के बाद सबसे कम है। इसी तरह यूरो की हिस्सेदारी भी 2 परसेंटेज पॉइंट गिरकर 16 फीसदी रह गई है जो 16 साल में सबसे कम है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से दुनिया के कई देश डॉलर पर निर्भरता कम कर रहे हैं और सोने का हिस्सा बढ़ा रहे हैं। पिछले कुछ साल में गोल्ड की कीमत में काफी तेजी आई है।चीन तेजी से अपना गोल्ड रिजर्व बढा रहा है। साल 2000 में चीन के सेंट्रल बैंक के पास 395 टन सोना था जो अब बढ़कर अब करीब 2,280 टन हो गया है। हालांकि जानकारों का कहना है कि चीन के पास 5,000 टन सोना है। उसने गुपचुप तरीके से काफी सोना खरीदा है। चीन अब अपने नागरिकों को सोना खरीने के लिए प्रेरित कर रहा है जबकि भारत में सदियों से यह परंपरा रही है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय घरों में 25,000 टन से अधिक सोना है।हालांकि लगातार सोना खरीदने के बावजूद चीन गोल्ड रिजर्व के मामले में अभी कई देशों से पीछे है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का गोल्ड रिजर्व 8,133.46 टन है। उसके बाद यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी (3,351.53 टन), इटली (2,451.84 टन) और फ्रांस (2,437 टन) का नंबर है। चीन 2,279.56 टन के साथ इस लिस्ट में पांचवें, स्विट्जरलैंड (1,039.94 टन) छठे और भारत (876.18 टन) सातवें नंबर पर है। आरबीआई ने भी हाल के वर्षों में काफी सोना खरीदा है।

बच्चों की तरह झगड़ने के बाद अब एलन मस्क की इंटरनेट सर्विस स्टारलिंक पर बोले ट्रंप, कही बड़ी बात

नयी दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच हुई तू-तू, मैं-मैं ने अमेरिका की दुनिया में जग हंसाई की है। बिजनेस और पॉलिटिक्स की दुनिया के दिग्गज जिस तरह से बच्चों की तरह झगड़े, सब देखते रह गए। यह खबर भी सामने आई कि डोनाल्ड ट्रंप उस लाल टेस्ला कार को बेच सकते हैं, जिसे उन्?होंने मार्च में ही खरीदा था। अब उन्होंने स्टारलिंक इंटरनेट पर बड़ी बात कही है। याद रहे कि टेस्ला और स्टारलिंक दोनों को एलन मस्क लीड करते हैं। उनकी कंपनियों के तले टेस्ला कार बनती है और स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा ऑपरेट होती है। ट्रंप-मस्क के झगड़े के बाद कहा जा रहा था कि वाइट हाउस में स्टारलिंक को बंद किया जा सकता है। इस मामले में बड़ा डेवलपमेंट देखने को मिला है।ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वह वाइट हाउस में स्टारलिंक की सर्विस को बंद करने की योजना नहीं बना रहे। उन्होंने कहा कि वह टेस्ला को थोड़ा इधर-उधर कर सकते हैं, लेकिन स्टारलिंक के साथ ऐसा होगा, उन्हें नहीं लगता। ट्रंप ने कहा कि यह एक अच्छी सर्विस है। गौरतलब है कि स्?टारलिंक के जरिए दुनियाभर में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा पहुंचाई जाती है। यह सर्विस अमेरिका के बाहर कनाडा, अफ्रीकी देशों, एशिया में बांग्लादेश में चल रही है। भारत सरकार भी स्टारलिंक को सेवाएं शुरू करने के लिए जरूरी लाइसेंस दे चुकी है।स्टारलिंक ने अंतरिक्ष में हजारों सैटेलाइट पहुंचाए हुए हैं। सभी सैटेलाइट लो अर्थ ऑर्बिट यानी पृथ्वी की निचली कक्षा में हैं और हमारे ग्रह के चारों तरफ घूमते हैं। हालांकि स्टारलिंक इन्हें सैटेलाइट कहने के बजाए टर्मिनल्स कहती है। बीते कई साल में स्?टारलिंक ने अलग-अलग बैच में इन टर्मिनलों को स्पेस में पहुंचाया है। वह 30 हजार टर्मिनल अंतरिक्ष में पहुंचाना चाहती है। अभी तक 3 हजार से ज्यादा को भेज चुकी है। हालांकि 30 हजार टर्मिनल लॉन्च करने के लिए उसे अमेरिकी प्रशासन से मंजूरी नहीं मिली है।रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक टर्मिनल अंतरिक्ष में घूमते हुए पृथ्वी पर मौजूद स्टारलिंक डिश से कनेक्ट रहते हैं। स्टारलिंक डिश उस किट में आती है जिसे लोगों को खरीदना पड़ता है। अगर कोई स्टारलिंक का कनेक्शन लेना चाहता है तो पहले उसे किट लेनी होगी। उसमें डिश, केबल, राउटर जैसी प्रमुख चीजें शामिल होती हैं। धरती पर सेटअप तैयार होने के बाद अंतरिक्ष में मौजूद टर्मिनल से डिश को रेडियो सिग्नल मिलते हैं। वो सिग्नल, राउटर में पहुंचते हैं और फिर घर में वाई-फाई इंटरनेट का कवरेज आता है।

विराट कोहली की भांजी नहीं अनुष्का से कम, बिना बाजू वाला टॉप पहनकर मम्मी भावना को दी मात, बेहद सुंदर लगीं महक

नयी दिल्ली। विराट की तरह चमक फिकी पड़ गई।बता दें कि उनकी बहन भावना कोहली का भी ड्रेसिंग सेंस बहुत दमदार है। भावना हमेशा स्टाइल और सादगी दिखाकर खूबसूरत नजर आती हैं। लेकिन इस बार तो हसीना की लाडली ने उनकी सारी लाइमलाइट चुरा ली है। लेटेस्ट फोटोज में भावना की बेटी महक ढींगरा ग्लैमर का तड़का लगाती दिख रही हैं। वहीं, भावना ने भी लुक को खास बनाने की कुछ कम कोशिश नहीं की। लेकिन महक के स्टाइल के आगे उनके लुक को

विराट की भांजी हमेशा ही स्टाइलिश अंदाज में दिखती हैं। उनका हर अटायर बहुत दमदार होता है। साथ ही वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अब आप भी देखें कैसे महक ने स्टाइल मारकर अपनी मम्मी को पीछे छोड़ दिया।भावना ने येलो कलर का टॉप पहनकर स्टाइल मारा। जिसपर बने क्रिस- क्रॉस वाले डिजाइन सुंदर दिखे। हसीना के टॉप की राउंड नेकलाइन है। साथ ही पफी लॉन्ग स्लीव्स ने भी लुक को एन्हांस किया। टॉप के साथ भावना लाइट ब्लू शेड वाली जींस पहनी नजर आईं, जिसका रिप्ड स्टाइल लुक को स्टाइलिश बना गया। जींस पर दिख रही वाइट शेड भी लुक को एन्हांस कर गई।भावना की बेटी तो उनसे भी आगे निकली नजर आई। महक ने स्ट्रैप्लेस टॉप पहना है, जो वाइट कलर का है। टॉप पर पिंक, रेड और ऑरेंज कलर के फूल वाला डिजाइन सुंदर दिखा। बॉडी फिटेड होने की वजह से हसीना का फिगर भी हाइलाइट हुआ। साथ में महक ने वाइट ट्राउजर पेयर किया है। जिसके बेल्ट पोर्शन पर स्ट्रींग लटकती हुई कूल नजर आई।दूसरे लुक की बात करें तो अब भावना वाइट कलर की काफ्तान ड्रेस पहनी नजर आ रही हैं। ड्रेस की वी नेकलाइन है। साथ ही लूज स्लीव्स ने लुक को कंप्लीट बनाया। जबकि अटायर पर बने ब्लैक बॉक्स वाले डिजाइन भावना के अंदाज को दमदार बना गए। हसीना की ड्रेस की स्लीव्स और बॉर्डर पर फ्रिंज डीटेलिंग भी हुई दिखी, जिससे लुक को एलिगेंट टच मिला।महक की मम्मी ने ड्रेस पहन ली। तो वो भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने वाइट कलर की क्रोचेट स्टाइल वाली लॉन्ग स्कर्ट पहनकर स्ले किया। साथ में पेयर किया रेड कलर का टॉप, जिसकी हॉल्टर नेकलाइन है। साथ ही टॉप पर रेड कलर के बटन भी ऐड किए गए, जो सुंदर नजर आए। टॉप पर एक छोटा- सा स्लिट भी ऐड किया गया है।भावना की बेटी की तरह उनका बेटा आयुष भी कूल अवतार दिखाता नजर आया। आयुष ने ब्लैक कलर की टी शर्ट पहनी, जिसपर प्रिंट हुआ दिखा। शर्ट की राउंड नेकलाइन और स्लीव्स भी कूल लुक को परफेक्ट बना गईं। साथ में आयुष ने पेयर किए शॉर्ट्स, जो लूज नजर आए। और, लुक को कंप्लीट बनाने के लिए वो एक हाथ में घड़ी और पैरों में शूज पहने नजर आए।भावना बेशक अपनी बेटी के स्टाइल मात नहीं दे पाईं। लेकिन वो हर बार कोई नया अटायर ट्राई करने की कोशिश करती हैं। और, आए दिन फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर कर छा जाती हैं।

बांग्लादेश सीमा पर झड़प और... ऑपरेशन सिंदूर के वक्त यूनुस ने बनाया था खतरनाक 'भारत विरोधी प्लान', सेना प्रमुख ने यूं कसे पेच

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हेड मोहम्मद यूनुस को कई स्तर पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी राजनीतिक दलों और सेना प्रमुख से नहीं बन पा रही है तो आम लोगों में भी उनके खिलाफ नाराजगी है। ऐसे में सरकार के विरोध से ध्यान हटाने के लिए यूनुस ने भारत के साथ सीमा पर छोटी-मोटी झड़पें कराने की योजना बनाई थी। उनका मानना था कि इससे राष्ट्रवाद का माहौल बनेगा और लोग उनके साथ

खड़े हो जाएंगे। इससे उनका बिना चुनाव सरकार में बने रहने का रास्ता साफ हो जाएगा। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार उज जमां को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने यूनुस के प्लान को फेल कर दिया।स्वराज्यमग ने अपनी एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में बताया है कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने मोहम्मद यूनुस की भारत से झड़प की योजना को कामयाब नहीं होने दिया। यूनुस ने यह योजना जमात-ए-इस्लामी और जातीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के कुछ नेताओं के साथ मिलकर बनाई थी लेकिन सेना प्रमुख जमां को लगा कि ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में उन्होंने सख्ती से उनको इस पर बढ़ने से रोक दिया।मोहम्मद युनुस की भारत के साथ टकराव के प्लान में नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर खलीलुर्रहमान और आईएसआई के करीबी सेना के क्वार्टर-मास्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद फैजुर्रहमान भी साथ थे। यह योजना बीते महीने के शुरुआती हफ्ते में बनाई गई थी, जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया हुआ था।ढाका छावनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना यह थी कि बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश सीमा पर आक्रामक रवैया अपनाए। इससे तनाव बढ़ेगा और भारत के बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के साथ झड़प हो जाएगी। योजना में बीजीबी सैनिकों को समर्थन देने के लिए सीमा के पास सेना की यूनिट को तैनात करना भी शामिल था।रिपोर्ट के मुताबिक, सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां को इसका पता चला तो उन्होंने बीजीबी के महानिदेशक को आक्रामक रुख अपनाने और भारत को उकसाने के लिए फटकार लगाई। बीजीबी हेड ने कथित तौर पर जनरल जमां को बताया कि उन्हें ऐसा करने के लिए मोहम्मद यूनुस के निवास और कार्यालय जमुना से मौखिक आदेश मिला है।जनरल जमां ने इस योजना की जानकारी होने पर चीफ ऑफ जनरल स्टाफ, लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर्रहमान शमीम, एयर चीफ मार्शल महमूद खान और एडमिरल नजमुल हसन के साथ चर्चा की। बैठक में इन सभी ने यूनुस की योजना का कड़ा विरोध किया। इसके बाद सेना प्रमुख ने यूनुस और एनएसए को संदेश भेजा कि यह प्लान मूर्खता भरा है। उन्होंने साफ कहा कि वह सीमा पर भारत को उकसाने के सख्त खिलाफ हैं।जनरल जमां ने एनएसए और युनुस को स्पष्ट कर दिया कि भारत के साथ लड़ाई जैसी स्थिति पैदा करना खतरनाक होगा क्योंकि सीमा पर चीजें बिगड़ीं तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। बांग्लादेशी सेना प्रमुख ने सीमा पर सैनिक तैनात नहीं करने और बीजीबी को इस तरह का निर्देश देने से इंकार कर दिया। जमां के सख्त रुख के बाद यूनुस चुप हो गए और इस प्लान को ठंडे बस्ते में डाल देना ही मुनासिब समझा।

100 रुपए कमाने के लिए वो महिलाएं जान जोखिम में डालतीं मेरी बेटी ने उन्हें रोजगार दिया, शान से जीना सिखाया

नयी दिल्ली अपनी बड़ी होती बेटी के लिए पिता अच्छे वर की तलाश कर रहे थे। लेकिन बेटी के सपने बड़े थे। पिता ने बेटी को रोकने की बजाय उसका साथ दिया। फिर बेटी ने इतनी ऊंची छलांग लगाई कि पिता का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। शादी कर घर बसाने की बजाय उसने अपने मोहल्ले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा। मोहल्ले की महिलाएं जब घर के काम निपटाकर फ्री हो जातीं तो वह उन्हें रेडी टू वियर साड़ी बनाने की ट्रेनिंग देती। आज मोहल्ले की महिलाएं पॉकेट साड़ी बनाने में इतनी माहिर हो गई हैं कि उनका काम 'शार्क टैंक इंडिया' तक पहुंच गया। 'फादर्स डे' सीरीज में हमने बात की एक ऐसे पिता से जो बेटी को अपना गौरव मानते हैं। विजय सिंह की बेटी स्वाति सिंह ने अपने साथ साथ कई जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया। 'पॉकेट साड़ी वाली' नाम से मशहूर स्वाति सिंह के पिता ने हमें बेटी की सफलता की कहानी कुछ इस तरह सुनाई.स्वाति हमारी बड़ी बेटी है। वो बचपन से दूसरों का खयाल रखती है। जब वो छोटी थी तो उसकी स्कूल फ्रेंड के पिताजी अचानक मृत्यु हो गई। स्वाति ने मुझसे उनके परिवार की मदद करने के लिए कहा। मैंने उसे समझाया कि हम अकेले उनकी बहुत ज्यादा मदद नहीं कर सकेंगे। लेकिन स्कूल के सभी बच्चों के परिवार मिलकर उनकी सही मायने में मदद कर सकते हैं। स्वाति ने मेरी बात मानी और स्कूल टीचर की मदद से 'क्राउड फंडिंग' से उस परिवार की मदद की। फिर तो ये उसकी आदत बन गई। जब भी कोई तकलीफ में होता तो स्वाति हर हाल में उसकी मदद करने की कोशिश करती। बेटी के ये गुण मुझे संतुष्टि देते कि मेरी बेटी दूसरों का दुख समझती है।स्वाति बिना कहे दूसरों की तकलीफ समझती है। हमारे मोहल्ले की महिलाएं पैसे कमाने के लिए केमिकल टेस्टिंग कराती थीं। ये एक ऐसा प्रोसेस है जिसमें कॉस्मेटिक्स या दवाइयों को मार्केट में उतारने से पहले ह्यूमन बॉडी पर टेस्ट किया जाता है। हमारे मोहल्ले की महिलाएं 100 या 200 रुपए कमाने के लिए ये टेस्ट कराती थीं। जब स्वाति को इस बात का पता चला तो उसे बहुत दुख हुआ। पैसे कमाने के लिए महिलाएं अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही थीं। स्वाति ने तय किया कि वो ऐसा कोई काम शुरू करेगी जिससे इन महिलाओं को रोजगार मिले। उन्हें केमिकल टेस्टिंग के प्रोसेस से न गुजरना पड़े।स्वाति अपने स्टार्टअप के लिए आइडिया ढूंढ रही थी। उसने महसूस किया कि कई महिलाएं ठीक से साड़ी नहीं पहन पातीं। शादी या त्योहार पर साड़ी न पहनने पर उन्हें घर के बड़े-बुजुर्गों के ताने सुनने पड़ते हैं। महिलाओं की इस समस्या को हल करने के लिए स्वाति ने 'रेडी टू वियर' साड़ी का स्टार्टअप शुरू करने का मन बनाया।स्टार्टअप के लिए स्वाति ने स्टैंडअप इंडिया से 15 लाख रुपए का लोन लिया। फिर महिलाओं को 'रेडी टू वियर' साड़ी बनाने की ट्रेनिंग दी। स्वाति का आइडिया हिट हो गया। महिलाओं को 'रेडी टू वियर' साड़ी पहनने में सुविधा महसूस होने लगी। फिर स्वाति ने साड़ी में पॉकेट भी लगा दिया। इससे महिलाओं को और सुविधा हो गई। वो साड़ी के पॉकेट में अपना मोबाइल और पैसे रखकर फ्री होकर काम करने लगीं। इन महिलाओं की मेहनत रंग लाई। आज वो आत्मनिर्भर हैं। उनकी बनाई साड़ियां खूब पसंद की जा रही हैं। स्वाति पर अब सिर्फ हमारा अधिकार नहीं, वो पूरे मोहल्ले की बेटी बन गई है।बेटी कितनी भी तरक्की कर ले, माता-पिता को असली खुशी तब मिलती है जब बेटी का घर बस जाए। हम भी यही चाहते हैं कि स्वाति की अच्छे घर में शादी हो जाए। वो अपना काम जारी रखे। लेकिन शादी करके घर बसा ले। मैं इसी कोशिश में लगा हुआ हूं कि मैं अपनी बेटी के लिए अच्छा लड़का ढूंढ कर उसकी शादी कर लूं।जब से स्वाति का बिजनेस आइडिया 'शार्क टैंक इंडिया' शो दिखाया गया तब से

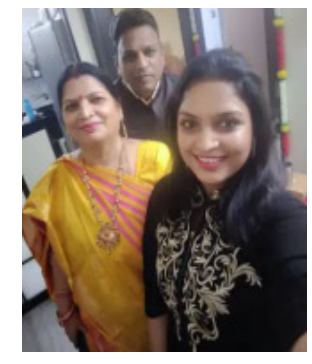

उसका काम और मशहूर हो गया। अब दुनियाभर के लोग स्वाति को पहचानते हैं। पिछले साल जब हम गांव गए थे तो मीडिया वाले वहां भी स्वाति को खोजते हुए उसका इंटरव्यू लेने आ गए। तब गांव के लोगों को भी स्वाति पर गर्व महसूस हुआ। मुझे गर्व महसूस होता है कि आज मेरी बेटी ने इतना नाम कमा लिया है कि लोग मुझे उसके पिता के नाम से जानते हैं।

तीन दिन के अंदर आधार कार्ड में नहीं करवाया यह काम, तो हाथ से निकल जाएगा मौका, देने पड़ेंगे पैसे

नयी दिल्ली। आधार कार्ड को अब हर तरह के सरकारी-प्राइवेट काम में प्रूफ की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई सरकारी कागज बनवाना हो, बैंक में खाता खुलवाना हो या फिर नई जॉब के डॉक्युमेंट्स देने हों, आधार कार्ड हर जगह मांगा जाता है। यह 12 अंकों का यूनीक आइडेंटिटी नंबर है, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान को सुनिश्चित किया जाता है। सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने, बैंकिंग सुविधाओं का लाभ

पाने के लिए आधार नंबर बहुत जरूरी है। नियम के अनुसार, इंडिविजुअल्स यानी व्यक्तियों को अपने आधार कार्ड को हर 10 साल में अपडेट कराना होता है। इसके अलावा बाल आधार यानी बच्चों के आधार को 5 साल से 15 साल के बीच अपडेट कराया जाता है। आधार अपडेट की आखिरी तारीख 14 जून को खत्म हो जाएगी। अगले तीन दिनों के अंदर अगर आपने नजदीकी आधार सेवा केंद्र में जाकर अपना आधार अपडेट नहीं कराया तो मौका हाथ से निकल जाएगा और अगली बार फीस चुकानी होगी।यहां यह ध्यान में रखना जरूरी है कि आधार कार्ड में अपडेट उन के लिए सबसे जरूरी है, जिन्होंने बीते 10 साल में अपने आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है। इसके लिए कई बार आखिरी तारीख को आगे बढ़ाया जा चुका है। ऐसा लगता है कि आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई इस बार आखिरी तारीख को आगे नहीं बढ़ाएगी। ऐसा हुआ तो आपको 14 तारीख के बाद आधार कार्ड में अपडेट कराने के लिए 50 रुपये स्टैंडर्ड फीस देनी होगी।बहुत से लोग कन्फ्यूज हैं कि आधार अपडेट के लिए क्या आधार केंद्र पर ही जाना होगा। ऐसा नहीं है। रिपोर्टों के अनुसार यह काम ऑनलाइन भी किया जा सकता है। https://uidai.gov.in/ पोर्टल पर जाकर आधार कार्ड में अपडेट का प्रोसेस किया जा सकता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि आधार कार्ड से जुड़े कई बदलाव जैसे- नाम, जेंडर, जन्मतिथि, बायोमैट्रिक डेटा आदि को सिर्फ आधार केंद्र में ही अपडेट किया जाता है। इनके अलावा होने वाले अपडेट्स के लिए आप ऑनलाइन रिक्वेस्ट कर सकते हैं।हाल ही में सरकार ने आधार ऐप को भी लॉन्च किया है। बहुत जल्द यह आम लोगों के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध होगा। इसके बाद लोगों को होटल, एयरपोर्ट या सिम खरीदते समय अपने आधार कार्ड की फोटोकॉपी देने की जरूरत नहीं रहेगी। वह अपनी पहचान डिजिटल तरीके से करा पाएंगे। कई लोग शिकायत करते थे कि उनके आधार कार्ड की फोटोकॉपी का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐप आने के बाद लोगों को आधार कार्ड की फोटोकॉपी देने की जरूरत नहीं होगी।

पाकिस्तान के दुश्मनों से भारत ने मिलाया हाथ...जयशंकर का यह प्लान उड़ा देगा होश

नयी दिल्ली। यूरोप के दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ शब्दों में पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि पहलगाम में आतंक हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया पूरी दुनिया देख चुकी है। इसके बावजूद अगर पाकिस्तान और उसके यहां पल रहे आतंकी भारत के खिलाफ कुछ भी गलत करते हैं तो इस बार उनकी तबाही तय है। एक फ्रेंच अखबार ली फिगारो को दिए साक्षात्कार में जयशंकर ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। जयशंकर ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए एक प्लान भी बना लिया है। उन्होंने मध्य एशियाई देशों का आतंक पर नेटवर्क बनाने की बात की है। जयशंकर ने मध्य एशियाई देशों के मंत्रियों से मुलाकात की। यह मुलाकात भारत-मध्य एशिया वार्ता से पहले हुई। इस बैठक में आतंकवाद, व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर बात हुई। भारत और मध्य एशियाई देश मिलकर आतंकवाद का मुकाबला करेंगे। वे व्यापार और कनेक्टिविटी को भी बढ़ाएंगे। दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसा प्लान बना रहे हैं, जिससे पाकिस्तान के नापाक मंसूबों पर पानी फिर जाएगा। यह पाकिस्तान में पल रहे आतंक के नेटवर्क को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर देगा। जानते हैं कैसे?जयशंकर ने कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। खासकर, पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद इस पर जोर दिया गया। इसके अलावा, व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने पर भी बात हुई। उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे मध्य एशियाई देशों को अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में मौजूद आतंकी संगठनों से खतरा है। इसलिए, सुरक्षा सहयोग बढ़ाना जरूरी है।भारत-मध्य एशिया बिजनेस काउंसिल को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कह-हमें अपने व्यापार के विकल्पों को बढ़ाना होगा। इससे हमारे पास ज्यादा विकल्प होंगे और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। हम नए अवसरों की तलाश में हैं। मैं चाहूंगा कि मध्य एशियाई देशों के मेरे दोस्त इस बात को समझें कि आज भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की है और यह हर साल 6-8फीसदी की दर से बढ़ रही है। इससे उत्पादों और सेवाओं की नई मांग पैदा होगी। जयशंकर ने आगे कहा-मैं निश्चित रूप से उन कदमों का समर्थन करूंगा जो हम अपने राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के आपसी निपटान को सुविधाजनक बनाने के लिए उठा सकते हैं। इसका मतलब है कि भारत और मध्य एशियाई देश अपनी-अपनी मुद्राओं में व्यापार कर सकते हैं। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी।भारत और मध्य एशिया के बीच व्यापार बढ़ने से दोनों क्षेत्रों को फायदा होगा। भारत को मध्य एशिया से ऊर्जा और खनिज मिल सकते हैं। वहीं, मध्य एशियाई देशों को भारत से मैन्युफैक्चर्ड गुड्स मिल सकते हैं। कनेक्टिविटी बढ़ने से व्यापार और आसान हो जाएगा। भारत चाबहार बंदरगाह के माध्यम से मध्य एशिया तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। इससे पाकिस्तान को दरकिनार किया जा सकेगा।इससे पहले दिसंबर, 2022 की बात है, जब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दिल्ली में पहली मध्य एशियाई देशों के अपने समकक्षों के साथ एक मीटिंग की थी। उस वक्त डोभाल ने कहा था कि मध्य एशिया भारत का विस्तारित पड़ोस है। भारत के लिए एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध मध्य एशिया साझा हित में बेहद जरूरी है। अब जयशंकर ने एक कदम आगे बढ़ते हुए इस क्षेत्र की सुरक्षा को ज्यादा महत्वपूर्ण करार दिया है।2022 में डोभाल ने कहा था कि मध्य एशिया से संपर्क बढ़ाते वक्त एक बात का यह ध्यान रखना अहम है कि सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के संबंध में कनेक्टिविटी पहल पारदर्शी और भागीदारीपूर्ण हो। दरअसल, मध्य एशियाई देश चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक हिस्सा है। भारत अरसे से चाबहार बंदरगाह द्वारा मध्य एशियाई देशों के लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ अफगानिस्तान को मानवीय सहायता की आपूर्ति करने पर जोर देता रहा है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से पूर्व भारत ने चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल तक समुद्री मार्ग से अफगानिस्तान को एक लाख टन गेहूं और दवाएं पहुंचाई थीं।अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर के ढांचे के भीतर चाबहार बंदरगाह को शामिल करने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया गया। यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिये 7,200 किलोमीटर लंबी बहु-मोड परिवहन परियोजना है। उस वक्त भी बैठक में अफगानिस्तान सहित मध्य एशियाई क्षेत्र में आतंकवादी नेटवर्क के अस्तित्व पर गहरी चिंता जताई गई थी। तब डोभाल ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन को शीघ्र अपनाने का भी आह्वान किया गया है, जिसे भारत ने पहली बार वर्ष 1996 में प्रस्तावित किया था।ऐतिहासिक रूप से रेशम मार्ग ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से पंद्रहवीं शताब्दी ईस्वी तक भारत को मध्य एशिया से जोड़ा है। बौद्ध धर्म से लेकर बॉलीवुड फिल्मों के स्थायी प्रभाव ने इस क्षेत्र में भारत एवं मध्य एशिया के मध्य गहरे सांस्कृतिक संबंध स्थापित किए हैं। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता ग्रहण करके मध्य एशियाई देशों से संपर्क मजबूत किया है। एससीओ मध्य एशियाई देशों का प्रमुख संगठन जिसमे वर्तमान में भारत सहित आठ सदस्य देश शामिल हैं। भारत ने मध्य एशियाई देशों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वर्ष 2012 में 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी' को शुरू किया। मध्य एशिया एक एकीकृत और स्थिर विस्तारित पड़ोस के रूप में भारत की विदेश नीति का मुख्य केंद्र है। मध्य एशिया के 5 देशों में से तीन ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान, अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करते हैं।

ये तीन देश कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान चीन के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं।मध्य एशिया खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र है। यहां कोयला, सीसा, जस्ता, सोना और लौह अयस्क के अलावा कजाकिस्तान में यूरेनियम का सबसे बड़ा भंडार पाया जाता है। किर्गिस्तान सोने और पनबिजली में समृद्ध है जबकि तुर्कमेनिस्तान में प्राकृतिक गैस के विश्व के सबसे बड़ा भंडार हैं।

सुधा मूर्ति ने किया 'सितारे जमीन पर' का रिव्यू, आमिर खान की फिल्म देखकर उन्होंने जो कहा वो जानने लायक है!

नयी दिल्ली। 'सितारे जमीन पर' इस [illegible] बॉलीवुड की वो फिल्म है, जिसका हर किसी को इंतजार है। आरएस प्रसन्ना के डायरेक्?शन में बनी इस फिल्म से आमिर खान तीन साल बाद पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर और गाने दर्शकों को गुदगुदा भी रहे हैं और इमोशनल भी कर रहे हैं। शुक्रवार, 20 जुलाई को यह कॉमेडी-ड्रामा रिलीज होने वाली है। लेकिन उससे पहले इसका पहला रिव्यू आ गया है। खास बात ये है कि 'सितारे जमीन पर' का यह रिव्यू हर-दिल-अजीज और बेहद प्यारी राइटर, फिलैंथरोपिस्ट और राज्यसभा की सांसद सुधा मूर्ति ने किया है।इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति की पत्नी, इंजीनियर और पद्म भूषण सुधा मूर्ति ने हाल ही स्पेशल स्क्रीनिंग में आमिर खान की फिल्?म देखी है। उन्होंने इसके बाद कहा कि 'सितारे जमीन पर' एक बेहद ही इमोशनल और आंखें खोल देने वाली फिल्म है। सुधा मूर्ति ने 'सितारे जमीन पर' को एक बेहद 'खूबसूरत फिल्म ' बताया है।सुधा मूर्ति कहती हैं, 'मुझे लगता है कि यह फिल्म हमारी आंखें खोलने वाली है। बहुत से लोग ऐसे बच्चों को नहीं समझते, जिन्हें हम 'नॉर्मल नहीं' कहते हैं। लेकिन यह एक ऐसी खूबसूरत फिल्म है, जहां आप समझ सकते हैं कि वे बहुत संवेदनशील हैं और उनका दिल बहुत साफ है। वे हमेशा मुस्कुराते भी रहते हैं, क्योंकि वे जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में वो बहुत शुद्ध हैं।''डॉलर बहू' किताब की लेखिका सुधा मूर्ति ने कहा, 'यह एक महान और गहरा दार्शनिक सबक हैं, जो हम फिल्म के करिदारों से सीखते हैं। यह फिल्म असल में बहुत सारे बदलाव ला सकती है। हमें उन्हें अपनी नॉर्मल लाइफ में शामिल करना चाहिए। मैं आमिर खान का धन्यवाद करना चाहूंगी कि उन्होंने एक बेहतरीन फिल्म देखने का मौका दिया।''सितारे जमीन पर' की कास्ट की बात करें तो फिल्म में आमिर खान के साथ जिनिलिया डिसूज़ा देशमुख, अरौश दत्ता, गोपी कृष्णन वर्मा, वेदांत शर्मा, नमन मिश्रा, ऋषि साहनी, ऋषभ जैन और आशीष पेंडसे जैसे कलाकार हैं। आमिर खान की मां जीनत भी इस फिल्म में कैम?यो कर रही हैं। फिल्म में 10 दिव्यांग कलाकार डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म की कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। यह स्पैनिश फिल्म 'चैंपियंस' का ऑफिशियल रीमेक है।

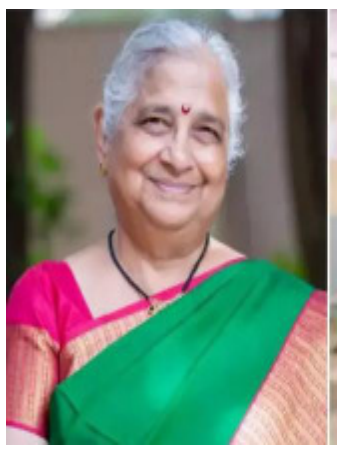

अमिताभ बच्चन की उम्र पर ट्रोलर का भद्दा कमेंट,जवाब में बिग बी बोले- मेरे मरने की बात करने के लिए शुक्रिया, लताड़ लगाने के बाद डिलीट किया कमेंट

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पोस्ट के चलते सुर्खियों में बने हुए बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की उम्र पर एक ट्रोलर ने भद्दा मजाक किया है। बिग बी भी खामोश नहीं रहे और उन्होंने बेहतरीन ढंग से ट्रोलर की क्लास लगा दी। देर रात किए गए उनके पोस्ट पर जब लगातार ट्रोलिंग होने लगी, तो उन्हें इक्का-दुक्का लोगों को सादगी से फटकार लगाई, लेकिन कुछ समय बाद ही उन्होंने पोस्ट डिलीट कर दी। अमिताभ बच्चन ने सोमवार की देर रात अपने ऑफिशियल एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, गैजेट टूट जाते हैं, लेकिन लंबी उम्र बनी रहती है। उनकी इस पोस्ट में रमन नाम के एक यूजर ने लिखा, टाइम पर सो जाया करो, वर्ना लंबी उम्र भी नहीं टिकेगी।बताते चलें कि अमिताभ बच्चन को आखिरी बार साल 2024 की फिल्म कल्कि 2898एडी में देखा गया है। आने वाले समय में बिग बी कल्कि 2898एडी पार्ट 2, ब्रह्मास्त्र 2 के अलावा फिल्म रामायण में जटायु और फिल्म जमानत में शिव शंकर के किरदार में नजर आने वाले हैं।

पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा को 3 साल पुराने करीबी दोस्त से मिला धोखा, गंवाई अपनी सारी कमाई, रो-रोकर बुरा हाल

नयी दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी और एक्टर कुणाल वर्मा के साथ उनके ही एक करीबी दोस्त ने फ्रॉड किया, जिस कारण कपल ने अपनी पूरी सेविंग गंवा दीं। वह अब पूरी तरह से टूट चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वह कहां से नई शुरुआत करें। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि 3 साल के करीबी दोस्त से धोखा खाने के बाद उन्होंने अपनी सारी बचत खो दी है। वह रो-रोकर थक गए हैं।पूजा ने बताया कि उनके पति और एक्टर कुणाल भी इस घटना से बहुत अफेक्ट हुए हैं। इस स्थिति से बाहर निकलने और अपनी लाइफ दोबारा शुरू करने का एकमात्र तरीका सिर्फ दर्शकों का सपोर्ट ही है। एक्ट्रेस ने धोखेबाद दोस्त की पहचान नहीं बताई लेकिन ये जरूर कहा कि वह उनके बहुत करीब था।एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने बताया, 'पिछले दो-तीन महीने हमारे लिए बहुत मुश्किल रहे हैं। हमें नहीं पता कि आगे क्या होगा। हमारे साथ पैसों की धोखाधड़ी हुई है और एक मोटी रकम हमने गंवा दी है। अब हमें जीरो से शुरुआत करनी होगी। और हम हार नहीं मानना चाहते। हमने इस फ्रॉड में अपनी सारी सेविंग्स खो दी। हम बस इतना चाहते हैं कि आप सभी हमारा सपोर्ट करें और हमारे लिए प्रार्थना करें। हमें भगवान पर भरोसा है।'कुणाल ने दुखी मन से कहा, 'आब आप किसी पर पिछले 3 साल से भरोसा करते हैं तो वह हर घड़ी आपके साथ होता ह। आपके घर और परिवार का हिस्सा बन जाता है।' पूजा ने कहा कि इस वाकये से बहुत दुख पहुंचा है। लेकिन वह हामर नहीं मानना चाहते हैं और मजबूती से इससे बाहर निकलना चाहते हैं। एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपनी फैमिली को इस बारे में नहीं बताया था।एक्टर कुणाल ने कहा, 'हम इस घटना के कारण बहुत रो चुके हैं। और पिछले महीने तो बुरी तरह टूट चुके हैं। हम बस सपोर्ट चाहते हैं। हमारे लिए इसे अपने परिवार के साथ शेयर करना असंभव था। लेकिन अब उनको पता चल जाएगा। उनके साथ ऐसी खबर शेयर करने में डर लगता है। हमने अपनी पूरी लाइफ कड़ी मेहनत की और पैसे कमाए।'एक्ट्रेस पूजा ने 'कहानी घर घर की', 'करम अपना अपना', 'कस्तूरी', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'सर्वगुण संपन्न', 'देवों के देव - महादेव', 'कुबूल है' समेत अन्य शोज से पॉप्युलैरिटी हासिल की थी। उन्होंने 'झलक दिखला जा 7' और 'खतरा खतरा खतरा' में भी हिस्सा लिया था। 2020 उन्होंने कुणाल वर्मा से शादी की थी और 2021 में पहले बच्चे का स्वागत किया था।

जयासुधाः जितेंद्र की भाभी, पहले पति से तलाक तो दूसरे ने किया था सुसाइड, तीसरी शादी की खबर से मच गई थी सनसनी

नयी दिल्ली। जयासुधा साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं, पर इन्हें आपने कई हिंदी फिल्मों में भी देखा होगा। अमिताभ बच्चन की 'सूर्यवंशम' के लिए जयासुधा को आज भी याद किया जाता है। लेकिन फिल्मों से ज्यादा जयासुधा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। उनकी तीन बार शादी की चर्चा रही। तीसरी शादी की चर्चा 62 साल की उम्र में शुरू हुई थी, जिसने सभी को हैरान कर दिया था। जयासुधा रिश्ते में बॉलीवुड के दिग्गज स्टार जितेंद्र की भाभी लगती हैं। आइए आपको जयासुधा के जितेंद्र संग कनेक्शन और उनकी तीन शादियों-पतियों के बारे में बताते हैं।जयासुधा और नितिन कपूर की शादीशुदा जिंदगी में सब अच्छा चल रहा था। लेकिन 2017 में नितिन ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने अंधेरी स्थित अपने घर की 6 मंजिला बिल्डिंग से कूदकर जान दे दी थी। बताया जाता है कि नितिन कपूर काफी समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे। पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ था। इसके बाद जयासुधा बुरी तरह टूट गई थीं, और अकेले ही बच्चों को पाला।एक्ट्रेस जयासुधा ने पहली शादी साल 1982 फिल्म प्रोड्यूसर वड्डे रमेश के साले से की थी, लेकिन यह रिश्ता नहीं टिका और तलाक हो गया। इसके बाद जयासुधा ने 1985 में जितेंद्र के भाई और फिल्म प्रोड्यूसर नितिन कपूर के साथ सात फेरे लिए थे। शादी के बाद वह दो बेटों की मां बनीं। दोनों बेटे ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर हैं, और शादी भी हो चुकी है।लेकिन जब जयासुधा 62 साल की हुईं, तो उनकी तीसरी शादी की खबरें आने लगीं। कहा जाने लगा कि जयासुधा ने किसी विदेशी एनआरआई से शादी कर ली है।

इंडियन सिंगर अदनान सामी ने 5 चीज छोड़कर घटाया 120 किग्रा वजन, एक महीने में हो गया था 20किग्रा वेट लॉस

नयी दिल्ली। भारतीय नागरिकता, पाकिस्तान छोड़ना, मशहूर गाने और भारी-भरकम शरीर, गायक अदनान सामी की जिंदगी इन चीजों के आसपास काफी घूमी। लेकिन जब कुछ साल पहले उन्होंने खुद को पतला करके पूरी दुनिया को चौंकाया तो हर कोई उनके वेट लॉस का तरीका जानना चाहता था। उन्होंने वजन कम करने वाली अपनी डाइट बताई है। मगर इस वेट लॉस के पीछे की वजह काफी डरावनी है। अदनान ने डॉक्टर की चेतावनी और पिता के वादे की वजह से इतना तगड़ा वजन कम किया था।सिंगर ने इंडिया टीवी के 'आप की अदालत' शो में बताया कि हेल्थ चेकअप का रिजल्ट देखकर डॉक्टर ने चेतावनी दी थी। डॉक्टर ने कहा, 'आपके रिजल्ट बॉर्डरलाइन पर हैं। अगर इसी लाइफस्टाइल को फॉलो करते रहे तो मुझे बिल्कुल शॉक नहीं होगा कि अगर आज से 6 महीने बाद आपके पेरेंट्स आपको किसी होटल रूम में मरा हुआ पाएं।'डॉक्टर की बात सुनने के बाद अदनान पिता के साथ सीधा बेकरी गए और वहां खूब सारा खाया। जहां उनके पिता ने उनसे वादा लिया कि मुझे बेटे को दफनाने का मौका मत देना। पिता की बात सुनने के बाद उन्होंने वजन कम करने का फैसला किया।इंटरव्यू में अदनान सामी ने बताया कि उन्हें खाने में बहुत मजा आता है। इसकी वजह से उनका वजन बढ़ गया था। हालांकि उनकी फैमिली टेंडेंसी भी ऐसी है कि थोड़ा खाने से भी मोटापा बढ़ने लगता है। इसकी वजह से आलस भी बढ़ गया था।सोशल मीडिया में यह खबर काफी फैल गई थी कि अदनान सामी ने सर्जरी से वजन कम करवाया। लेकिन उन्होंने बताया कि इसके लिए बैरिएट्रिक या लिपोसक्शन जैसी कोई सर्जरी नहीं करवाई है। वेट लॉस का कोई शॉर्टकट नहीं है और यह ट्रांसफोर्मेशन पूरी मेहनत के साथ किया है।सिंगर अदनान सामी ने बताया कि उनका वजन पहले 230 किलो था और उनकी कमर 81 इंच व साइज 9एक्स था। इसकी वजह से उन्हें काफी सारी दिक्कतें होने लगी थी और वो लेटकर सो भी नहीं पाते थे।उन्होंने बताया कि बहुत सारे साल तक वो लेटकर नहीं सोए, क्योंकि वजन इतना ज्यादा हो चुका था कि लेटने पर फैट लंग्स को दबाता था। वो सांस नहीं ले पाते थे। इसके साथ आलस, सांस फूलना, पैरों में पानी जमना और लिम्फोडिमा की समस्या भी हो गई थी।उन्होंने बताया कि उनकी एक न्यूट्रिशनिस्ट दोस्त ने वजन कम करने में मदद की। इसके लिए उन्हें एक हाई प्रोटीन डाइट दी गई और इसके साथ शारीरिक मेहनत व एक्सरसाइज करके तकरीबन 120 किलो कम किया है। उन्होंने बताया कि इस डाइट में 5 चीजें बिल्कुल बंद थी।हाई प्रोटीन डाइट में ब्रेड (रोटी), चावल, चीनी, तेल, शराब बिल्कुल बंद थी। उन्होंने बताया कि शुरू-शुरू में ज्यादा वजन कम होता है और पहले महीने ही 20 किलोग्राम वजन कम हो गया। फिर आहिस्ता आहिस्ता वजन कम होना शुरू हुआ।

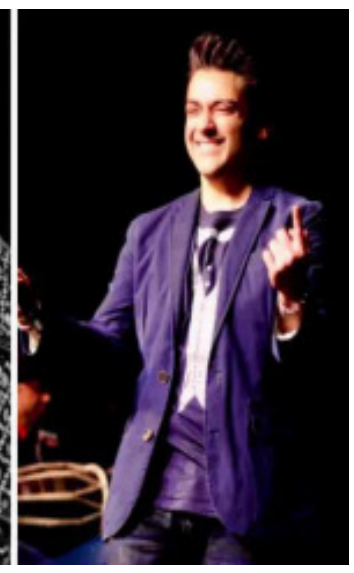

विजय माल्या ने किया था समीरा रेड्डी का कन्यादान,निभाया था मामा का फर्ज, एक्ट्रेस ने शेयर किया था शादी का किस्सा

नयी दिल्ली। बिजनेस टाइकून विजय माल्या एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में विजय माल्या ने एक पॉडकास्ट में कई खुलासे किए। इस बीच एक्ट्रेस समीरा रेड्डी का एक पुराना इंटरव्यू भी चर्चा में आ गया, जब उन्होंने खुलासा किया था कि विजय माल्या ने उनकी शादी में कन्यादान किया था।दरअसल, साल 2014 में डीएनए को दिए एक इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बताया था, 'केवल विजय माल्या, जो मेरी मां की तरफ से रिश्तेदार हैं, ने मुझे दूल्हे को सौंपा। बाकी सिर्फ करीबी दोस्त और परिवारजन ही शामिल थे।'बता दें कि समीरा की शादी बिजनेसमैन अक्षय वर्दे से पारंपरिक महाराष्ट्रीयन रीति से हुई थी। समीरा और अक्षय की शादी 21 जनवरी 2014 को बेहद प्राइवेट तरीके से हुई थी। इस समारोह में केवल करीबी दोस्त और परिवार ही शामिल हुए थे। समीरा ने कहा था, 'क्या यह सबसे अच्छा तरीका नहीं है शादी करने का?'समीरा ने बताया था कि प्लानिंग के झंझट से बचने के लिए शादी तय समय से पहले कर ली। यह शादी पहले अप्रैल में प्लान की गई थी, लेकिन बाद में प्री-पोन कर दी गई। शादी की सारी तैयारियां समीरा की बहन सुषमा ने 10 दिनों में कीं।समीरा ने कहा था, 'कई महीनों की टेंशन और प्लानिंग में बहुत स्ट्रेस होता है... अक्षय ने कहा, क्यों न जल्दी कर लें। मैंने कहा- क्यों न, फिर हमने 'आई डू' कह दिया और मुझे खुशी है कि हमने ऐसा किया।' शादी में समीरा ने सिंपल साउथ इंडियन साड़ी पहनी थीं। समीरा ने बताया था, 'मैंने अपनी जिंदगी के 11 साल पर्दे पर सज-धज कर बिताए हैं। अपनी शादी में मैं बिल्कुल साधारण दिखना चाहती थी। आखिरकार मैंने एक सिंपल साउथ इंडियन साड़ी पहनी। शायद यह मेरे रेड्डी परिवार के स्वभाव का असर था।'बता दें कि इंस्टाग्राम पर समीरा अक्सर अपने पति और बच्चों के साथ तस्वीर पोस्ट करती रहती हैं। उनका एक बेटा और बेटी हैं.

गोविन्दा की पत्नी सुनीता ने खुद को बताया 'डर' का शाहरुख खान, कहा- मैं बहुत पजेसिव हूं, पति को शेयर नहीं कर सकती

नयी दिल्ली। गोविंदा और उनकी वाइफ सुनीता आहूजा की शादी को करीब 38 साल से अधिक हो चुके हैं। पिछले लंबे समय से सुनीता अपने बेबाक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में रह रही हैं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ और गोविन्दा से रिश्ते पर खुलकर खूब बातें की हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनीता से पूछा गया कि वो क्या चीज है जिसने उनके रिश्ते को आज तक मजबूत बनाया हुआ है। सुनीता ने इसे लेकर तीन चीज़ें बताईं जो एक प्यार भरे रिश्ते को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। सुनीता ने गोविंदा के लिए अपने प्यार की तुलना फिल्म 'डर' के शाहरुख खान के किरदार से की। 'डर' फिल्म में शाहरुख ने एक स्टॉकर का किरदार निभाया था जो जूही चावला से एकतरफा प्यार करता है और उसके प्यार में बिल्कुल पागल है। इतना ही नहीं वह अपनी प्रेमिका को लेकर इस कदर दीवाना है कि वह उसके (जूही चावला) पति (सनी देओल) की हत्या कर देता है।'इंस्टेंट बॉलीवुड' के साथ बातचीत में सुनीता से पूछा गया कि 38 साल बाद भी उन्होंने अपने रिश्ते को कैसे संवारकर रखा है तो उन्होंने कहा, 'इसकी वजह विश्वास, प्यार और बच्चे हैं।' उन्होंने कहा, 'एक-दूसरे पर विश्वास होना बहुत ज़रूरी है और प्यार... मुझे हमारे प्यार पर भरोसा है।'सुनीता ने फिर खुद की तुलना शाहरुख के किरदार से की और कहा, 'मुझे बहुत पसंद है, आपको याद होगा कि शाहरुख खान ने फिल्म डर में कैसे प्यार किया था, प्यार के लिए पागलपन। मैं भी बहुत पज़ेसिव हूं। मुझे यह पसंद नहीं है कि मेरे पति और मेरे बच्चे... मैं उन्हें शेयर नहीं कर सकती। मैं बहुत पज़ेसिव हूं।'उन्होंने कहा, 'कुछ पज़ेसिवनेस होनी चाहिए या आप इसे प्यार नहीं कर सकते, फिर यह सिर्फ एक समझौता है।' उसी चैट में सुनीता आहूजा ने बताया कि जब वह यंग थीं, तब उनकी मुलाकात गोविंदा से हुई थी और उन्हें उनसे प्यार हो गया था। उन्होंने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि वह एक होममेकर बनें और उन्हें फिल्मों में करियर बनाने से हतोत्साहित किया, भले ही उन्हें तब लीड एक्ट्रेस बनने के कुछ ऑफर मिले हों।उन्होंने कहा, 'मेरी मां हमेशा चाहती थीं कि मैं एक अच्छी होममेकर बनूं क्योंकि वह भी वैसी ही थीं।

सोनम पर भड़कीं कंगना रनोटःकहा- औरत शादी के लिए मना नहीं कर सकती, लेकिन निर्मम हत्या की योजना बना सकती है

नयी दिल्ली। हनीमून के लिए शिलॉन्ग जाकर लापता हुए राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम ने करवाई थी। सोनम गाजीपुर के ढाबे में मिल चुकी हैं, जिसके बाद पुलिस जांच जारी है। राजा रघुवंशी हत्याकांड का पर्दाफाश होने के बाद से ही पूरे देश में आक्रोश है। अब इस मामले में कंगना रनोट ने भी सोनम पर भड़कते हुए कहा है कि इस बारे में सोच-सोचकर उनके सिर में दर्द हो रहा है। कंगना रनोट ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, ये कितना बेतुका है, औरत शादी के लिए मना नहीं कर सकती क्योंकि उसे अपने ही माता-पिता से डर लगता है लेकिन वो सुपारी किलर के साथ एक निर्मम हत्या की योजना बना सकती है। यह सुबह से मेरे दिमाग में है लेकिन मैं इसे समझ नहीं पा रही हूं। उफ्फ, अब तो सिरदर्द हो रहा है, वह तलाक भी नहीं दे सकती थी या अपने प्रेमी के साथ भाग नहीं सकती थी।आगे एक्ट्रेस लिखती हैं, कितना क्रूर, जघन्य और सबसे बढ़कर बेतुका और मूर्ख। मूर्ख लोगों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। वे किसी भी समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। हम अक्सर उन पर हंसते हैं और सोचते हैं कि वे हानिरहित हैं लेकिन यह सच नहीं है। बुद्धिमान लोग अपने फायदे के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं लेकिन याद रखें कि एक मूर्ख व्यक्ति को पता नहीं होता कि वह क्या कर रहा है। अपने आस-पास के मूर्खों के प्रति बहुत सचेत रहें। बताते चलें कि 11 मई को इंदौर में शादी होने के बाद राजा रघुवंशी पत्नी सोनम के कहने पर 20 मई को हनीमून मनाने शिलॉन्ग गए थे। 24 मई को कपल का परिवार से संपर्क टूट गया, जिसके बाद उन्हें लापता मानकर तलाश शुरू की गई। 2 जून को राजा रघुवंशी का शव खाई में मिला, जिसके बाद 8-9 जून की दरमियानी रात सोनम गाजीपुर के ढाबे में मिली। जांच में सामने आया है कि सोनम ने प्रेम प्रसंग के चलते पति राजा की हत्या की सुपारी दी थी।

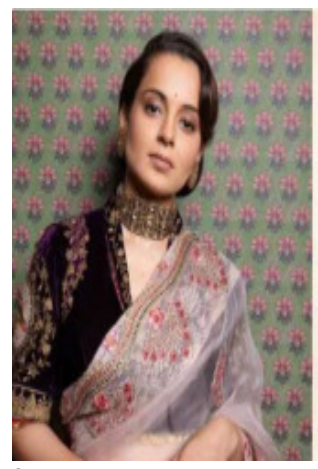

जब दीया मिर्जा पर भड़कीं करीना कपूरःइवेंट में चिल्लाकर पूछा- तुम कौन होती हो? नम्रता शिरोडकर भी थीं मौजूद

नयी दिल्ली। बॉलीवुड की फिल्मों जितनी ही सुर्खियां उसके पर्दे के पीछे के तनाव भी बटोरते हैं। ऐसा ही एक किस्सा रेडिफ को दिए एक पुराने इंटरव्यू में एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने करीना कपूर खान के साथ हुए एक पुराने विवाद को लेकर बताया था।यह घटना 2000 के दशक की शुरुआत की है। दीया ने बताया था कि यह लखनऊ में सहारा ग्रुप के एक कार्यक्रम में हुआ था। इस इवेंट में करीना कपूर, उर्मिला मातोंडकर, नम्रता शिरोडकर और दीया मिर्जा शामिल होनी थीं। दीया ने कहा था, 'हमें कॉटन की सलवार-कमीज पहनने थे जिन पर राष्ट्रीय ध्वज लगा होना था।' लेकिन करीना ने इसके बजाय भारी गहनों वाला घाघरा-चोली पहनने की इच्छा जताई। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं पहना था।दीया ने नम्रता को बाहर चलने को कहा दीया के अनुसार, करीना के इस फैसले से ग्रुप में नाराजगी फैल गई। दीया ने बताया था, 'नम्रता (शिरोडकर) इस बात से बहुत परेशान थीं कि करीना तय ड्रेस कोड का पालन नहीं कर रहीं।

निर्माता निर्देशक प्रवीण कुमार साइन केयर प्रोडक्शन की फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा जल्दी सिनेमा में

नयी दिल्ली। साइन केयर प्रोडक्शन की आने वाली फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा की शूटिंग कंप्लीट हो चुकी है जो बहुत जल्द ही सिनेमाघर में दस्तक देगी जिसके मुख्य कलाकार आरती केशपाल सोयब राणा हरेंद्र डबास मलकीत सिंह देवेंद्र कुमार पूजा श्रीवास्तव प्रीतिका राधिका अरोड़ा श्रीपाल यादव गजेंद्र सिंह धर्मेंद्र वर्मा आदि है फिल्म की डायरेक्टर प्रवीण कुमार में मैंने बताया है की फिल्म एक सामाजिक संदेश देने हैं सफल होगी फिल्म में एक्शन मनोरंजन प्यार तो हमेशा रहेगा एक रोमांटिक एक्शन पारिवारिक फिल्म है इसकी शूटिंग उत्तर प्रदेश दिल्ली एनसीआर और उत्तराखंड में की गई है फिल्म में गीतकार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉक्टर अवनीश राहीऔर संगीत अंकित सिन्हा निर्माता साइन केयर प्रोडक्शन में निर्देशक प्रवीण कुमार है फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-अपने भूमिका अच्छे से निभाई है.

डॉक्टर सालुंखे ने छोड़ दिया सीआईडी? मेकर्स पर भड़के नरेंद्र गुप्ता के फैंस, कहा- अच्छे किरदार को बर्बाद कर दिया

नयी दिल्ली। टीवी की दुनिया का पॉप्युलर शो सीआईडी दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है। 1998 से 2018 तक चले इस शो को 2025 में फिर से ऑन एयर किया गया। हाल ही में शिवाजी साटम को पार्थ समथान ने रिप्लेस किया था, जिसके बाद खूब बवाल मचा था तो एसीपी प्रद्युम्न को वापस लाया गया था। अब खबर है की इस शो को डॉक्टर सालुंखे भी छोड़कर जा रहे हैं। जिसके बाद लोगों का गुस्सा मेकर्स पर फूट पड़ा है। टीवी शो सीआईडी में शिवाजी साटम, ऋषिकेश पांडे, दयानंद शेट्टी, जानवी छेड़ा, श्रद्धा मुसले, आदित्य श्रीवास्तव, नरेंद्र गुप्ता समेत अन्य कलाकार अलग-अलग किरदार में हैं। लोग नए सीजन और इसकी कहानी को भी खूब पसंद कर रहे हैं। पहले शिवाजी साटम की एग्जिट दिखाई गई। और पार्थ समथान को उनकी जगह पर कास्ट किया गया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।